



जीएसटी सुधारों पर मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान : चुनाव और ट्रंप @ नम्मा बेंगलूर

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 08 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-247

हर बार की तरह इस बार भी राहुल गांधी विदेश फुर्र...

वोट चोरी की आग लगाकर मलेशिया में ले रहे ठंडई

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगा कर इस बार फिर राहुल गांधी चुपचाप मौज-मस्ती करने मलेशिया फुर्र हो गए। राहुल गांधी का यह रूटीन कृत्य हो गया है। अलग-अलग मसलों पर देश में द्वेष-घृणा और विद्रुता फैलाकर वे विदेश तफरीह के लिए भाग जाते हैं। इस बार राहुल गांधी मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर में तफरीह करते, तेज रफ्तार से स्कूटर चलाते हवा खाते दिख रहे हैं। हालांकि तेज चर्चा है कि राहुल गांधी आतंकी इस्लामिक

धर्मगुरु जाकिर नाइक से मिलने मलेशिया गए हैं। कांग्रेस पार्टी को जब भी नेतृत्व की जरूरत होती है तब-तब राहुल गांधी गुपचुप विदेश निकल जाते हैं। चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा कर देश में तनावपूर्ण माहौल बनाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उसी बहाने बिहार में वोट अधिकार यात्रा शुरू की, जो राहुल गांधी के सवालों से ज्यादा विवादों की वजह से चर्चा में रही। उसी दरम्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गालियां दी गईं और आखिर में

तो अफरातफरी में यात्रा खत्म करनी पड़ी। यात्रा खत्म हुई तो राहुल गांधी फिर छुट्टी पर निकल गए। राहुल गांधी की मलेशिया से सामने आई तस्वीरों पर तमाम सवाल उठ रहे हैं। राहुल गांधी की इन्हीं गतिविधियों के कारण उन पर पार्ट टाइम नेता का टैग लगा हुआ है। विदेशों से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे फिर राहुल गांधी की उसी छवि को पुष्टा कर रही हैं। इन तस्वीरों से सवाल खड़े होते हैं कि क्या राहुल गांधी के लिए बिहार की वह अधिकार यात्रा या अन्य



आतंकी इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक से मिलने की चर्चा

राजनीतिक यात्राएं क्या महज एक औपचारिकता होती हैं? जिन्हें वे जल्दी-जल्दी पूरा करें

और छुट्टियां मनाने भागें। ऐसी ही राहुल गांधी की यह मलेशिया यात्रा भी साबित कर रही है। इस

यात्रा को लेकर सियासी गलियारों में अलग-अलग तरह की चर्चा है। कोई राहुल गांधी की मलेशिया यात्रा के पीछे उनके लापरवाह रवैये पर बात कर रहा है तो किसी को इस यात्रा के पीछे गहरी साजिश नजर आ रही है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की किसी विदेश यात्रा को लेकर इस तरह का बवाल हुआ हो। अमेरिका, इटली और बैंकॉक जैसी यात्राओं के दौरान भी राहुल गांधी पर सवाल उठ चुके हैं। राहुल गांधी का इस बार

अचानक चुपके से मलेशिया निकल जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। राहुल गांधी मलेशिया के लंगकावी में छुट्टियां मना रहे हैं। चर्चा है कि राहुल गांधी और देश से निकाले गए विवादास्पद इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक के बीच कोई गुप्त मुलाकात होने वाली है। उल्लेखनीय है कि इस्लामी कट्टरपंथी जाकिर नाइक ने भारत से निकाले जाने के बाद मलेशिया की नागरिकता ही ली है। कुछ अन्य लोग राहुल गांधी से यह सवाल भी पूछ रहे हैं कि जब पूरा उत्तर भारत बाढ़ में डूबा

हुआ है तो ऐसे में क्या देश के विपक्ष के नेता को मलेशिया ट्रिप पर जाना जरूरी था? लोगों का सवाल है कि क्या कोई जन-नेता ऐसा भी होता है कि जब जनता की जरूरत हो तो वह उन्हें छोड़कर छुट्टियां मनाने निकल पड़े? बहरहाल, चुनावी मौसम के दौरान या ऐसे समय जब उनकी पार्टी को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, जनता को बताए बिना छुट्टियां पर निकल जाने का राहुल गांधी का इतिहास रहा है। इसे लेकर यह सवाल भी उठ चुका है कि वह पार्टी पर ►10

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 को बुलाई राज्यों के सीईओ की बैठक

बिहार के बाद अब पूरे देश में होगा एसआईआर

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग जल्द ही पूरे देश में मतदाता सूची को संशोधित करने के लिए एक विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) शुरू करने जा रहा है। यह प्रक्रिया बिहार में चल रहे पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब पूरे भारत में एक महीने तक चलेगी। इसका मकसद है मतदाता सूची को साफ-सुथरा करना, ताकि कोई अनधिकृत या फर्जी वोटर मतदाता सूची में शामिल न रहे और हर योग्य नागरिक का नाम सूची में हो। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई है, जिसमें इसकी तैयारियों पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय चुनाव आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची की शुद्धता के लिए जरूरी है। बिहार के बाद असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे



प. बंगाल, असम, केरल और तमिलनाडु में पहले होगा एसआईआर

जिलों में अफरा-तफरी मची हुई है।

चुनाव आयोग के तहत होने वाला विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मतदाता सूची की गहन

राज्यों में 2026 के चुनावों से पहले एसआईआर होगा। एसआईआर शुरू होने से पहले ही बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के

जांच की जाती है। बिहार में यह जून से जुलाई 2025 तक चला, जहां 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 90.84% की जांच पूरी हो चुकी है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के मुताबिक, इस प्रक्रिया से डुप्लिकेट, मृत या स्थानांतरित हो चुके वोटरों के नाम हटाए जाते हैं। बिहार में 65 लाख नाम हटाए गए, जिनमें 22 लाख मृत, 7 लाख डुप्लिकेट और 36 लाख प्रवासी थे। अब यही प्रक्रिया पूरे देश में लागू होगी, ताकि 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सटीक मतदाता सूची तैयार हो। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने 10 सितंबर को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई है, जिसमें इसकी तैयारियों पर चर्चा होगी। इसमें घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित की जाएगी। ►10

जम्मू-कश्मीर के बाद पंजाब, हरियाणा, यूपी बाढ़ की चपेट में

चारों तरफ बाढ़ से तबाही का मंजर

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर की तबाही के बाद बाढ़ का कहर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर टूट रहा है। बाढ़ के कारण पंजाब में स्थिति अत्यंत खराब है। भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों से उफनती नदियों ने पंजाब के 23 जिलों में तबाही मचा दी है। इस आपदा में अब तक 46 लोगों की जान जा चुकी है। लगभग 1.75 लाख हेक्टेयर में फैली फसलों को भारी नुकसान हुआ है। करीब 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं। लाखों लोग इस त्रासदी से जूझ रहे हैं। भारत सरकार ने पंजाब में युद्ध स्तर पर राहत व्यवस्था तेज कर दी है।

सतलज, ब्यास, और रावी जैसी प्रमुख नदियों के साथ-साथ मौसमी नालों में भारी



पंजाब में 46 और हरियाणा में 24 लोगों की मौत

बारिश के कारण पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। पंजाब में हाल के दिनों में हुई मूसलाधार बारिश ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। पोंग डैम का जलस्तर

शनिवार को 1,394.19 फीट पर था, जो सामान्य सीमा 1,390 फीट से चार फीट ऊपर है। भाखड़ा डैम में भी पानी का स्तर 1,678.14 फीट दर्ज किया गया। इन डैमों से पानी का बहाव कम होने के बावजूद, गांवों में पानी भरा हुआ है, जिससे लोग बेघर हो गए हैं। गुरदा-सपुर जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 329 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। होशियारपुर और अमृतसर में सात-सात लोगों की मौत हुई, जबकि पठानकोट में छह और बरनाला में पांच लोगों ने जान गंवाई। लुधियाना, बठिंडा, मानसा, गुरदा-सपुर, रूपनगर, और अन्य जिलों में भी मौतें दर्ज की गई हैं। कुल 3.87 लाख लोग इस बाढ़ से प्रभावित हैं, और 22,854 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ►10

बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत की उम्मीद



कोलकाता, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के द्वारा लागू किए गए नए नियमों का बड़ा असर हो सकता है। भाजपा को उम्मीद है कि इसका उसे चुनाव में फायदा मिलेगा। केंद्र सरकार ने इमिग्रेशन और फॉरेनर्स एक्ट-2025 के तहत कई नियम और

आदेशों को अधिसूचित कर दिया है। एक सितंबर से लागू हुए इन नियमों के तहत विदेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश, रुकने और निकलने की व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। इन नियमों के लागू होने से यह होगा कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर भारत आए अल्पसंख्यक (मुख्य

रूप से गैर-मुस्लिम) बिना वीजा और पासपोर्ट शर्तों के भारत में रह सकते हैं। शर्त यह है कि वे 31 दिसंबर 2024 तक भारत में आ चुके हों। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए 31 दिसंबर, 2014 की कटऑफ की तारीख अभी भी यही है। ऐसे में नए नियम उन लोगों पर भी लागू होंगे जिन्हें दीर्घकालिक वीजा चाहिए। भारत की नागरिकता लेने के लिए उन्हें नैचुरलाइजेशन की प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। पश्चिम बंगाल में भाजपा को उम्मीद है कि इस कदम से उसे मतुआ वोटों को अपने साथ लाने में मदद मिलेगी जबकि राज्य सरकार की अगुवाई कर रही टीएमसी ने ►10

गाजा-फंड खाने वाले 4 सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

फिलिस्तीन में गाजा पीड़ितों के नाम पर भारत में धन जुटाने वाले 3 सीरियाई नागरिकों को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। वे विदेश भागने की फिराक में थे। इनका एक साथी पिछले महीने गिरफ्तार हुआ था। गिरफ्तार किए गए जकारिया हैथम अलजागर, अहमद ओहद अलहबाश और यूसुफ खालिद अलजहर की पुलिस को पहले से तलाश थी। तीनों आरोपियों को दिल्ली से दुबई होते हुए दमिश्क जाने वाली उड़ान में सवार होने की कोशिश करते समय रोका गया। पुलिस ने इनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। ताकि वे भारत से भाग न सकें। इन लोगों ने गाजा पीड़ितों के नाम पर चंदा इकठ्ठा किया और उस पैसे को अपनी ऐशो-आराम पर खर्च किया। ►10

भाजपा की कार्यशाला में अंतिम पंक्ति में दिखे पीएम मोदी



नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। इस बीच नई दिल्ली में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला का

आयोजन संसद परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम कार्यकर्ता की तरह सबसे पीछे की सीट पर बैठे दिखाई दिए। कार्यशाला के

दौरान जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें प्रधानमंत्री सबसे अंतिम पंक्ति में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। रवि किशन ने लिखा, एनडीए सांसदों की कार्यशाला में आ-खिरी पंक्ति में बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यह शक्ति है भाजपा की, यहां हर कोई कार्यकर्ता है संगठन में। भाजपा की कार्यशाला में पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधार से जुड़ा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद सांसदों ने जीएसटी सुधारों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया। ►10

बाढ़ के कारण एनडीए का भोज रद्द पर इंडी-भोज होगा

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां)।

बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने उपराष्ट्रपति चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया जाने वाला भोज रद्द कर दिया। लेकिन इंडी-भोज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक होगा। विपक्षी नेता उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने का अभ्यास सीखेंगे और रात में दिव्य भोज करेंगे। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले विपक्षी सांसदों को सोमवार को वोटिंग प्रक्रिया की ब्रीफिंग दी जाएगी। उसी दिन संसद भवन के सेंट्रल हॉल में वोटिंग की प्रैक्टिस भी कराई जाएगी। इसके बाद शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी सांसदों के लिए भव्य रात्रिभोज देंगे। एनडीए ने भाजपा के अनुभवी नेता और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को ►10

कार्टून कॉर्नर



श्रीनगर, 07 सितंबर (व्यूरो)। हजरतबल दरगाह में सत्ता संरक्षण में कट्टरपंथी इस्लामिक तत्वों द्वारा अशोक चिन्ह तोड़े जाने पर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद भी छिड़ गया है। कुछ नेताओं ने मस्जिद में राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह को तोड़े जाने को राष्ट्र द्रोह बताया तो कुछ ऐसे

भी सियासी तत्व हैं जिन्हें मस्जिद परिसर में राष्ट्रीय चिन्ह लगाने पर ही आपत्ति हो, जैसे कि मस्जिद परिसर भारत में नहीं पाकिस्तान में हो। दरगाह में हुए इस अपवित्र करतूत को जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरखां अद्व्राबी ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने हजरतबल में एक प्रेस



पुलिस ने 25 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया

कांफ्रेंस में पूछा कि यह घटना पत्थर पर दाग नहीं है, यह मेरे

दिल पर दाग है। यह संविधान पर एक दाग है, जिसे यहां के चुने

हुए नेता उभारते हैं। क्या यहां के नेता प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल नहीं करते? क्या हमारे चुने हुए मुख्यमंत्री प्रतीक चिन्ह साथ नहीं ले जाते? अद्व्राबी ने कहा कि जिन लोगों को अशोक स्तंभ के इस्तेमाल से समस्या है, उन्हें दरगाह जाते समय प्रतीक चिन्ह वाले नोट नहीं ले जाने चाहिए। इसी के साथ उन्होंने शिलापट्टी को तोड़ने वालों को आतंकवादी तक कह दिया। उन्होंने कहा, कि

इस कृत्य को अंजाम देने वाले किसी आतंकवादी से कम नहीं हैं। दरअसल 5 सितंबर को पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन पर जम्मू कश्मीर की हजरतबल दरगाह में भी सजावट की गई थी। यहां लगाई गई शिलापट्ट में अशोक स्तंभ उकेरा गया था। नमाज के बाद लोग शिलापट्ट के पास एकत्रित हो गए। अशोक स्तंभ को लेकर विरोध करने लगे। ►10

सर्पाफा बाज़ार



(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,09,380/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,26,590/-
(प्रति किलोग्राम)



जीतो जेवर एक्सपो व ब्राइडल स्टोरी में हुई हमसफ़र की खोज



युवाओं को सम्मेलन में मिली सफल प्रेरणा

प्रदर्शनी में जमकर हुई खरीददारी

बेंगलूरु/शुभलाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के त्रिपुरा वासिनी पैलेस ग्राउंड में जीतो बेंगलूरु नार्थ, केकेजी जोन व अपेक्स महिला विंग द्वारा आयोजित जीतो जेवर एक्सपो एंड ब्राइडल स्टोरी प्रदर्शनी में संस्कृति, शिल्प कौशल एवं विलासिता का अद्भुत संगम के उत्सव तथा परंपरा एवं आधुनिकता का अनूठा प्रदर्शन देखा जा रहा है। जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी के अनुसार प्रदर्शनी में जीतो सदस्यों के बेंगलूरु की जनता बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही है।

संयोजक सुरेश गन्ना ने जानकारी दी कि प्रदर्शनी का अवलोकन करने कर्नाटक सरकार में मंत्री के.एच. मुनियप्पा पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वथनारायण, विधायक प्रिया कृष्णा, विधायक कृष्णा नाईक, प्रसिद्ध व्यक्तित्व अनुश्री के साथ अनेकों हस्तियां उपस्थित हुई। राजनेताओं ने जीतो के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे व्यापार वृद्धि में सहायक बताया।

अविवाहितों को जीवन साथी की खोज में सहायता करने, एक दूसरे को जानने एवं अभिभावकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हमसफर एक खोज का आयोजन किया गया



जिसमें 160 पंजीकृत अविवाहितों के साथ उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष विमल कटारिया ने स्वागत करते हुए कहा कि संयुक्त परिवारों के घटने एवं एकल परिवारों से सोच कर निराकरण करना हम सबकी जिम्मेदारी है। गौतम जैन, राजेंद्र दुधेडिया व सुषमा सेठिया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अभिभावकों व अन्धार्थियों को मिलाने में बखूबी भूमिका निभायी। कार्यक्रम के अंत में जीतो टीम के प्रयासों से अविवाहितों के चेहरों पर खुशी की झलक व अभिभावकों में आत्मविश्वास देखने को मिला।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के अंतर्गत आयोजित इग्राइट युवा सम्मेलन में मुख्य वक्ता कर्नाटक सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं बीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री दीपक सुराणा ने कहा कि बड़ी संख्या में पंजीकरण अभिभावकों की सामाजिक चिंता को दिखाता है जो सोचनीय विषय है। जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने कहा कि आज यह समस्या तेजी से फैल रही है जिस पर गहराई से सोच कर निराकरण करना हम सबकी जिम्मेदारी है। गौतम जैन, राजेंद्र दुधेडिया व सुषमा सेठिया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अभिभावकों व अन्धार्थियों को मिलाने में बखूबी भूमिका निभायी। कार्यक्रम के अंत में जीतो टीम के प्रयासों से अविवाहितों के चेहरों पर खुशी की झलक व अभिभावकों में आत्मविश्वास देखने को मिला।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के अंतर्गत आयोजित इग्राइट युवा सम्मेलन में मुख्य वक्ता कर्नाटक सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं बीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री



प्रियांको खरगे ने देश और समाज में जैन समुदाय द्वारा दिए जा रहे अद्वितीय सहयोग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने आँकड़ों के साथ यह बताया कि सामाजिक, व्यापारिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में जैन समाज से बढ़कर कोई सानी नहीं है। जैन समाज का देश और दुनिया में अप्रतिम योगदान है और इसकी गरिमा सदैव बनी रहेगी। और विशेषकर युवाओं की नवीनतम व आधुनिक सोच से समाज वैचारिक उत्थान की ओर भी बढ़ रहा है। कर्नाटक की प्रगति पर बोलते हुए खरगे ने कहा कि राज्य आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विश्व स्तर पर कर्नाटक ने अग्रणी स्थान प्राप्त किया है और तकनीकी क्षेत्र में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करने की दिशा में निरंतर विकास कर रहा है। उन्होंने कर्नाटक को गति और प्रगति का प्रतीक

बताया और विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह क्षेत्र वैश्विक विकास का केंद्र बनेगा। पैनल चर्चा में रामेश्वरम ग्रुप के संस्थापक राघवेंद्रराव ने जय जिनेंद्र से अभिवादन करते हुए अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी शुरुआत एक साधारण रोड साइड स्टॉल से हुई थी और रामेश्वरम की स्थापना उनका सपना था, जिसे उन्होंने पूरा किया। देसी घी से बने नारने से सभी का मन मोह लिया और उन्होंने गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया। कार्य के दौरान अनेक संघर्ष आए, लेकिन हार नहीं मानी और विश्वास रखा कि सही लक्ष्य में भगवान हमेशा राह आसान करते हैं। पैनल चर्चा में घोड़ावत ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रोणिंक घोड़ावत ने विकसित भारत विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि लगभग 90% रोज़गार

और व्यापार भारत के नागरिकों की आवश्यकताओं पर आधारित है। कोल्हापुर सहित अन्य शहरों में विकास की अपार संभावनाएँ हैं और आने वाले समय में हमारा नाम देश के शीर्ष 100 स्थापित व्यापारिक समूहों में शामिल होगा। मशहूर कामेडियन अरविंद, जीतो इंटरनेशनल चेयरमैन महावीर मेहता, कंटेन्ट क्रिएटर सार्थक आहूजा एवं अंकुश सबरवाल के साथ अन्य प्रेरक वक्ताओं ने युवाओं को सफलता के गुर बताये।

जीतो नार्थ अध्यक्ष विमल कटारिया एवं महामंत्री विजय सिंघवी ने युवाओं को सामाजिक एवं व्यापारिक लीडर बताया। युवा विंग अध्यक्ष अनीश भोजानी व मुख्य सचिव आशीष टपरावत ने सभी का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्यों को रखा।

जीतो युवा विंग डायरेक्टर इंचार्ज प्रवीण शाह ने युवाओं से कहा कि बिना कोई मौका गवाये आगे बढ़कर कार्य करना होगा। केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने नेटवर्किंग पर जोर देते हुए इसका भरपूर फायदा उठाने की सलाह दी। अपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत ने तकनीक को अपने व्यवसाय में सम्मिलित करने की प्रेरणा दी। आयोजन संयोजक जयेश दक तथा सह संयोजक राशि भंडारी व खूशी ओसवाल ने युवाओं के इस प्रेरणादायक सत्र प्रायोजक केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना एवं उनके परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आचार्य जयमलजी का 318वां जन्मोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-त्वधान में एवं साध्वी शशिप्रभा जी ठाणा 5 के सान्निध्य में आचार्य श्री जयमल जी म. सा. का 318 वा जन्म महोत्सव सामायिक, तप त्याग और गुणअनुवाद के साथ मनाया गया।

शहर के मुदलियार संघ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आचार्य जयमलजी का गुणगान करते हुए साध्वी निपुणप्रभाजी ने कहा कि आचार्य जयमल ने अपने जीवन को साधना और जिनशासन की प्रभावना के साथ सार्थक किया। युवावस्था में दीक्षा ले कर स्वयं को संयम को सुपुर्द कर दिया। मात्र 3 वर्षों में संपूर्ण बत्तीस आगम कंठस्थ कर अभेद्य



कीर्तिमान बनाया। गुरु भक्ति में गुरु के देहावसान के बाद करीब 50 वर्ष तक सो कर शयन नहीं किया। वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि आम व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में भूख, प्यास और नींद के आगे हार जाता है। आचार्य जयमल वो साधक थे जिन्होंने अपने जीवन में

तीनों को परास्त कर युग प्रधान आचार्य बने। आजीवन उन्होंने ब्रह्मचर्य व्रत पाला और घोर तपस्या कर इस शरीर का सार निकाला। उनका शरीर हमारे जैसा ही था किंतु संकल्प भीष्म जैसा था।

अलसूर संघ की ओर से

आचार्य जयमल का परिचय देते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांडिया ने कहा कि आचार्य जयमल जी ने मात्र तीन घंटों में प्रतिक्रमण याद किया और तत्कालीन यति व्यवस्था से जैन समाज को मुक्त कराया।

श्राविका मंडल के मंगलाचरण

से प्रारंभ आयोजन में जेपीपी महिला फाउंडेशन एवं नवकार बहु मंडल ने भक्ति नाटिका और ब्राह्मी बालिका मंडल ने आचार्य जयमलजी के दीक्षा प्रसंग को साकार किया। नन्हे बाल कलाकारों ने आचार्य को हैप्पी बर्थडे गीत भेंट किया। जैन युवक संघ अलसूर के अध्यक्ष लोकेश तातेड ने गुरु जयमल को भक्ति सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय जयमल जैन श्रावक संघ के नव मनोनीत अध्यक्ष अरुण गोटावत, कर्नाटक के अध्यक्ष उत्तमचन्द गादिया, जेप-पी महिला फाउंडेशन की अखिल भारतीय महामंत्री अमिता नाहर का संघ की ओर से सम्मान किया गया।



मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सीरवी समाज (हल्लदकेरी), मैसूरु के सभागार में महंत विस्मनाथ महाराज के सान्निध्य में समस्त 36 कॉम राजस्थानी समाज के सहयोग से चल रही श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णावती पर कथा का वाचन करते हुए बाल साध्वी प्रेम बाईसा ने भगवान कृष्ण रुक्मणी विवाह और सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन किया।

साध्वी ने हमेशा मन में दया व प्रेम भाव बनाए रखने की प्रेरणा दी। साध्वी ने कहा कि मित्रता हमेशा कृष्ण सुदामा जैसी होनी चाहिए। दोस्त ऐसा बनाओ जो गरीबी और कठिनाई में भी

आपका साथ ना छोड़े। धन दौलत के लालच में तो हजारों लोग आपके दोस्त बन जाएंगे, लेकिन जो व्यक्ति गरीबी, परेशानी और बीमारी में भी आपका साथ नहीं छोड़े वो ही सच्चा मित्र होता है। साध्वी ने गो माता की सेवा करने और अपने घर में एक गाय अवश्य पालने की बात कही। उन्होंने कहा कि गो माता में 33 कोटी देवी-देवताओं का वास होता है। जिस घर में गाय पाली जाती हैं, उस घर में रोग, काल, द्वेष और पीड़ा नजदीक ही नहीं आते। साध्वी ने कथा के माध्यम से नारी का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जहां नारियों का सम्मान होता है वहां

स्वयं भगवान विराजते हैं। उन्होंने हमेशा माता-पिता, गुरुजनों और बुजुर्गों का आदर सत्कार करने की बात कही। कथा समापन पर आए मैसूरु नगर भाजपा अध्यक्ष व पूर्व विधायक एल. नागेंद्र, पूर्व पार्षद रंग स्वामी, उधमी युवराज भाई का संतो ने सम्मान किया। इस अवसर पर समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, गोमाराम लुखा, सुंदर सिंह राजपुरोहित, बाबूलाल देव-ासी, आनंदराम लुखा, शिवराम मईया, वीराराम सारण, मोहनराम जांगू, मंगलाराम कालेटी, पूनम सिंह, देवी सिंह राजपुरोहित, संतलाल पारीक सहित सेकड़ों लोगों ने कथा आरती का लाभ प्राप्त किया।

अन्यत्व भावना के निरंतर चिंतन से व्यक्ति को आत्मा और शरीर के भेद का ज्ञान होता है : साध्वी



दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने बारह भावना के अंतर्गत पांचवी अन्यत्व भावना का महत्व समझाते हुए कहा कि यह जो शरीर मैंने धारण कर रखा है, वह मेरा नहीं है, फिर घर परिवार, कुटुम्ब, जाति धन वैभव आदि मेरे कैसे हो सकते हैं? मैं अन्य हूँ और ये सब मुझसे भिन्न हैं, अलग हैं। शरीरादि तो जड़ हैं, नाशवान हैं, अस्थिर हैं, क्षणभंगुर हैं। मैं तो आत्मा हूँ, चेतना हूँ, शाश्वत

हूँ। शरीरादि में मोह आशक्ति रखना हितकारी नहीं है। जिस प्रकार तिल से तिल और खली, धान से छिलका, फलों से गुठली और रस अलग हो जाता है उसी प्रकार यह शरीर और आत्मा भिन्न-भिन्न है। ऐसी दृढ़ प्रतीति अन्यत्व भावना के चिंतन से ही सम्भव है। आत्मा का शरीर, मन, धन और सभी संबंधी वस्तुओं से भिन्न और अलगाव महसूस करना, यह चिंतन आत्मा को शुद्ध करने में मदद करता है

और उसे अपने वास्तविक, शुद्ध स्वरूप को समझने की ओर ले जाता है, जिससे भौतिक जगत से उसका जुड़ाव कम होता है। अन्यत्व भावना एक ऐसी मानसिक अवस्था है जहाँ व्यक्ति यह महसूस करता है कि वह शरीर, संपत्ति, रिश्ते और अन्य सभी बाहरी चीज़ों से अलग है। अन्यत्व भावना के निरंतर चिंतन से व्यक्ति को आत्मा और शरीर के भेद का ज्ञान होता है, जिससे वह मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होता है।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजपूत समाज कर्नाटक द्वारा बेंगलूरु तुलसी तोटा स्थित खेतेश्वर भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए समाज के पदाधिकारी गण।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु शहर में श्री खिवान्दी जैन संघ (कर्नाटक) द्वारा रविवार को वार्षिक क्षमापना एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम शहर के विरडेन्सी रेसोर्ट में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लगभग 700 लोगों का आवागमन हुआ। कार्यक्रम में गाँव वासियों का कमेटी के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। छोटे बच्चों को खेल कुद प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता, एवं पुरुष कॉर्निवल वेषभूषा में पधारे। पुरुष पर्व के दौरान जिन तपस्वियों ने तपस्या की थी उन सभी का कमेटी द्वारा बहुमान किया गया। कार्यक्रम में आयोजित आम सभा में आगे होने वाले कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया।

तीन दिवसीय निशुल्क मेघा लिंब शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो

रोटरी क्लब बेंगलूरु जंक्शन द्वारा श्री चंद्रशेखर भारती कल्याण मंडप शंकरपुरम में तीन दिवसीय निःशुल्क वार्षिक मेघा लिम्ब शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के अध्यक्ष कमल करनानी, प्रथम महिला ममता करनानी, चैरमैन शंकरलाल अग्रवाल, सचिव मनीष बोज्जवार, सदस्य नवल किशोर सराफ, बी के कृष्णमूर्ति, सुरेश अरेकरे, नीता अग्रवाल, अमरीश कोठारी, निर्मल तापडिया, विवेकानंदन डॉ वासुदेव सारादा, मेरा देशपांडे, सरिता अग्रवाल, अनुराधा भट्ट, विनीत कपूर, किशन गुप्ता, बोपैया,



सिद्धार्थ, सुशील अग्रवाल और रोटरी क्लब के कई सदस्य उपस्थित थे। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के अनिल सुराणा कैंप के सभी दिनों

में मौजूद थे। शिविर में लगभग 350 जरूरतमंद विकलांग लोगों ने लाभ लिया। लीला देवी रणजीतमल जीतू कानूनगा ने शिविर का भरपूर सहयोग रखा।

पिछड़ा वर्ग आयोग की जाति सूची में लिंगाश्रितों की लगभग 103 उप-जातियों को शामिल नहीं किया गया है। अगर उन्हें शामिल नहीं किया गया, तो समुदाय के एक बड़े हिस्से का नाम आधिकारिक रिकॉर्ड से गायब हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि 181 उप-समूह होने और राज्य के सबसे बड़े समुदायों में से एक होने के बावजूद, कई उप-जातियों को सूची में शामिल नहीं किया गया है।

मेरठ की तरह ही इससे पहले मुंबई के हलाल अपार्टमेंट को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। जहां मीरा रोड स्थित गैलेक्सी फेस-2 प्रोजेक्ट पर एक विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। विज्ञापन में कहा गया कि इस प्रोजेक्ट को केवल मुस्लिम लोगों को ही बेचा जाएगा। यहां तक 22 मंजिला इस इमारत के पहले फ्लोर पर मस्जिद और नमाज के लिए अलग जगह और दूसरे फ्लोर पर हलाल के लिए ध्वस्तय तय की गई।

अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1510 अनुदेशकों को मिला नियुक्ति पत्र

पूर्व सरकारें पैसा लेती थीं, इसलिए आंख नहीं मिला पाती थीं

पतित लोग आंख उठा कर बात नहीं कर पाते: योगी

लखनऊ, 07 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित 1510 अनुदेशकों को रविवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने लोकभवन में नवचयनित अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र दिए। सीएम ने निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित अनुदेशकों व अभिभावकों को बधाई दी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि आठ वर्ष पहले वे नियुक्ति पत्र वितरण के ऐसे आयोजन नहीं कर पाते थे। पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं होती थी, क्योंकि हर प्रक्रिया में कोई न कोई ऐसा व्यवधान होता था, जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा रोक लगा दी जाती थी। शिक्षक, पुलिस, अनुदेशक की भर्ती हो या किसी अन्य विभाग की, इतना पैसा ले लिया जाता था कि वे किसी अभ्यर्थी से आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते थे। क्योंकि जब व्यक्ति बेईमानी और भ्रष्टाचार का सहारा लेता है तो उसका नैतिक पतन हो जाता है और वह चेहरा उठाकर बात नहीं कर पाता है। 2017 के पहले सरकार में बैठे लोगों ने यही स्थिति कर दी थी, जिससे यूपी का नौजवान हताश और



निराश था। जब नौजवान हताश और निराश होगा तो अर्थव्यवस्था नीचे गिरेगी ही, लेकिन पिछले साढ़े 8 वर्ष में सामूहिक परिणाम हुए तो आज सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी के साथ रोजगार भी है। यूपी में अब नौकरियों की बौछार है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिशन रोजगार से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का संकल्प दिया है, हम सभी उसमें सहभागी बन सकें, इसके लिए यूपी में पिछले 8 वर्ष के दौरान साढ़े 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने में सफलता प्राप्त की है। हर महीने किसी न किसी आयोग-बोर्ड के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया है। जो सख्ती की गई, उसका परिणाम है कि निष्पक्ष भर्ती के तहत चयनित

युवाओं ने भी ईमानदारी के साथ सरकारी का हिस्सा बनकर अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ यूपी को दिया।

सीएम योगी ने कहा कि आठ वर्ष पहले अपने अनुभव किया होगा यूपी के साथ दो बातें चस्पा थीं। पहली, यूपी का नौजवान-नागरिक प्रदेश के बाहर जाता था तो उसके सामने पहचान का संकट होता था। लोग हेय दृष्टि से देखते थे। इससे नागरिकों के मन में हीन भावना पैदा होती थी। दूसरा, हमारे ऊपर बीमारू राज्य का लेवल लगा दिया गया था यानि देश के विकास का बैरियर, जबकि यह राज्य संसाधनों से भरपूर था। जिस राज्य में ईश्वर को भी किसी न किसी अवतार के रूप में बार-बार आना पड़ा। ऐसा राज्य बीमारू हो जाए, कोई खुद को सुरक्षित महसूस न कर सके। उस राज्य को पिछले 8

वर्ष के अंदर हम लोगों ने नंबर-2 की अर्थव्यवस्था बनने में सफलता हासिल की। बीमारू राज्य के लेवल को उखाड़कर भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में सफलता प्राप्त की। 25 करोड़ की आबादी, जनप्रतिनिधियों, सरकार से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और डबल इंजन सरकार ने मिलकर प्रयास किया तब यह परिणाम सामने आए। आज यूपी सबसे तेज गति से अग्रसर प्रदेशों में गिना जाता है। देश में विकास की दर यूपी की सर्वाधिक है। हर क्षेत्र में यूपी अग्रणी स्थानों में है। 2017 के पहले जो प्रदेश बॉटम 5 में था, वह आज देश के अंदर अधिकांश स्कीम में नंबर एक पर है, जहां एक पर नहीं है, वहां टॉप थ्री में यूपी को कोई नहीं हटा सकता।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने यूपी के नौजवानों के लिए



साफ-सुथरा मंच दिया। चयनित अनुदेशकों को सिफारिश की नौबत नहीं आई होगी। जिसने तैयारी की, उसका चयन हुआ। जिसने नहीं की होगी, तैयारी करेगा, उसका आने वाले समय में होगा। अब नौकरियों की बौछार हो रही है। कानून व्यवस्था के माध्यम से सुरक्षा का माहौल तैयार किया गया है। दंगा मुक्त, गुंडागर्दी, माफिया मुक्त की अवधारणा ने यूपी में बड़े-बड़े निवेश को आमंत्रित किया है। इसका सर्वाधिक लाभ व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता से जुड़े नौजवानों को हुआ। 8 वर्ष में 60 लाख से अधिक ऐसे लोगों को नौकरी मिली। इसमें 14 लाख ऐसे नौजवान हैं, जिन्होंने यूपी को कौशल विकास के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। सीएम ने नियुक्ति पाने वाले युवाओं से कहा कि आवेदन से लेकर नियुक्ति पत्र मिलने तक सिफारिश या

लेन-देन नहीं हुआ, इसलिए सरकार की भी अपेक्षा है कि जब अपनी आईटीआई में जाएं तो ईमानदारी के साथ छात्रों को गाइड करें। टाइमपास करने से तत्काल अपने मन को संतुष्ट कर लेंगे, लेकिन समय कभी माफ नहीं करता है। ईमानदारी से किया गया प्रयास परिणाम अवश्य लेकर आता है।

सीएम ने कहा कि पिछले दिनों लखनऊ में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास के कार्यक्रम के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ था। आईटीआई पास, यूपी स्किल मिशन के माध्यम से उनका चयन हुआ। चयन करने वाली कंपनी उन्हें एक लाख, 75 हजार, 50 हजार दे रही थी। किसी भी नौजवान का चयन 35 हजार से कम में नहीं हुआ। सीएम ने कहा कि 8 वर्ष पहले, जो उद्योग और आईटीआई थे, वह भी बंद हो रहे थे,

लेकिन अब सरकार 300 से अधिक आईटीआई चला रही है। 8 वर्ष में सरकार के स्तर पर 60 नए आईटीआई बनाए गए, निजी क्षेत्र में भी 3000 से अधिक आईटीआई बने हैं। वर्तमान में 100 ऐसे ट्रेड चल रहे हैं, जो ग्लोबल मार्केट की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए स्किल मैन पावर की आपूर्ति कर सकें। यदि इलेक्ट्रीशियन व प्लंबिंग का ट्रेड है तो आर्टिफिशियल, रोबोटिक व ड्रोन टेक्नोलॉजी का भी है।

सीएम योगी ने कहा कि 8 वर्ष पहले यूपी में परंपरागत उद्यम के क्लस्टर भी बंद होने के कगार पर थे। 400 वर्ष पहले की बात करेंगे तो यूपी देश के सबसे समृद्ध राज्यों में था। यहां विदेशी आक्रांताओं के हमले भी हुए, अंग्रेजों ने भी लूटा। देश जब 1947 में स्वतंत्र हुआ, तब भी यूपी भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 1960 तक यूपी का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी था, लेकिन 1960 के बाद इसमें गिरावट प्रारंभ हुई। 2016 आते-आते यूपी का योगदान महज 8 फीसदी के आसपास रह गया। इन लोगों के कारनामों ने नंबर एक से नंबर आठ तक पहुंचा दिया। जब नीतियां स्वयं के स्वार्थ और वोटबैंक की चिंता करके, परिवार के हितों के संरक्षण को लेकर बनाई जाती हैं तो वह दुर्गति की तरफ से लेकर जाती हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर पकड़ी गई किशोरी का मिला पाकिस्तान कनेक्शन

प्रयागराज, 07 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार से भागकर जा रही किशोरी को दो दिन पहले पुलिस ने प्रयागराज जंक्शन पर महाबोधि एक्सप्रेस से नीचे उतार लिया। उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान पाकिस्तान का नंबर मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी सतर्क हो गए। जांच में पता चला कि वह पाकिस्तान के दोस्त से इंस्टाग्राम पर चैटिंग करती थी। फिलहाल उसे चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया है।

बिहार के नवादा की रहने वाली किशोरी के परिवार को भी इतिला कर दी गई है। आरपीएफ के एसआई विवेक कुमार, आरती देवी ने ट्रेन के प्रयागराज जंक्शन पहुंचने पर किशोरी को पकड़ लिया। उसने बुर्का पहन रखा था।

थाने लाकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम-पता बताया। यह भी बताया कि वह घरवालों को बिना बताए दिल्ली जाने

के लिए निकली है। उधर फोन से बात करने पर परिजनों ने बताया कि उन्होंने बिहार पुलिस से संपर्क साधा था। बिहार पुलिस ने ही मोबाइल से लोकेशन ट्रेस कर आरपीएफ को सूचना दी कि किशोरी महाबोधि एक्सप्रेस में सवार है।

छात्रा के मोबाइल की कॉल हिस्ट्री में पाकिस्तानी नंबर देखकर आरपीएफ अफसर चौंक गए। इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप चेक करने पर पता चला कि वह एक पाकिस्तानी युवक के संपर्क में थी और उससे न सिर्फ फोन पर बातें बल्कि लगातार चैटिंग भी करती थी।

पूछताछ में उसने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए उसकी दोस्ती पंजाब की एक युवती से हुई और उसने ही उसका संपर्क इंस्टाग्राम पर ही पाकिस्तान के युवक से कराया। इसके बाद ऑनलाइन चैट होने लगी और फिर मोबाइल नंबर पर भी बातचीत होने लगी। दो दिन पहले इसकी

भनक लगने पर परिजनों ने उसे फटकारा तो उसने यह बात पंजाब में रहने वाली युवती को बताई। इस पर युवती ने उसे दिल्ली बुलाया और ऑनलाइन उसका रिजर्वेशन भी कराया। इसके बाद ही वह घर से बिना बताए दिल्ली जाने के लिए निकली थी।

पहचान न हो, इसलिए उसने बुर्का भी पहन रखा था। चाइल्ड लाइन ने काउंसिलिंग के बाद रिपोर्ट सीडब्ल्यूसी को सौंप दी है। किशोरी का पाक कनेक्शन सामने आने के बाद आरपीएफ के साथ ही जीआरपी और खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट हो गई हैं। आशंका इस बात की भी जताई जा रही है कि कहीं सीमा पार से भारतीय किशोरियों-युवतियों को बहला फुसलाकर अपने जाल में फंसाने वाला कोई रैकेट तो नहीं संचालित हो रहा। फिलहाल एजेंसियां इसका पता लगाने में जुट गई हैं। जीआरपी अफसरों के साथ ही जिला पुलिस के आला अफसरों को भी प्रकरण की जानकारी दे दी गई है।

घुसपैठ, धर्मांतरण और लैंड जेहाद में सपा के पूर्व सांसद का नाम धर्म बदलो, तभी मिलेगी जमीन

पूर्व सांसद रिजवान जहीर का धंधा पीड़ितों ने किया खुलासा

लखनऊ, 07 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने पूर्व सपा सांसद रिजवान जहीर पर बलरामपुर में डेमोग्राफी बदलने की साजिश का आरोप लगाया है। यहां हिंदू महिलाओं की जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन पर जमीन के बदले धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जा रहा है। इस तरह उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में डेमोग्राफी बदलने की बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है।

लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि

रिजवान जहीर के इशारे पर उसके गुर्गे सईद अहमद और तौकीर अहमद, छांगुर गैंग के साथ मिलकर हिंदुओं की जमीन पर कब्जा, अवैध धर्मांतरण और लैंड जेहाद करा रहे हैं। हर महीने हजारों बच्चियों का अपहरण कर जबन धर्मांतरण कराया जा रहा है। अंबेडकरनगर को इसका ज्वलंत उदाहरण बताते हुए उन्होंने इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। छांगुर उर्फ जलालुद्दीन, जिसे इस साजिश का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, फिलहाल जेल में है। लेकिन उसके गैंग की करतूतें लगातार उजागर हो रही हैं।

बलरामपुर के मुन्ना नाम के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उसे सपा सांसद रिजवान के लोगों

ने प्रताड़ित किया और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर इलाके में डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की। मुन्ना ने कहा कि करोड़ों की सम्पति फर्जी तरीके से अर्जित की गई है और अब हिंदू महिलाओं की जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन पर जमीन के बदले धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जा रहा है। इस दौरान बलरामपुर निवासी जबीउल्ला ने दावा किया कि सपा शासनकाल में रिजवान जहीर के गुर्गे सईद अहमद और तौकीर अहमद नेपाल बॉर्डर से मुस्लिम परिवारों को बसाते थे। यहां हिंदुओं की जमीनों पर कब्जा कर अवैध धर्मांतरण भी कराया गया। झारखंड से आई एक महिला ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी

को पहले दोस्ती कर फंसाया गया। बाद में बहला-फुसलाकर बलरामपुर लाया गया और वहां से बंगाल ले जाकर जबन धर्म परिवर्तन कराया गया। महिला ने कहा कि आरोपित पैसा देकर पुलिस को चुप करा रहा है।

बलरामपुर, जो नेपाल सीमा से सटा इलाका है, वहां पहले भी डेमोग्राफी बदलने की कोशिशों का खुलासा हो चुका है। अब धीरे-धीरे इस साजिश के शिकार लोग सामने आकर अपनी बात रख रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद का दावा है कि यह सिर्फ एक मामला नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से कई हिंदू परिवारों को निशाना बनाकर उनकी जमीनों और आस्था पर हमला किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम: समाधान कम सियासत और समस्या ज्यादा

दिनकर कपूर
लखनऊ, 07 सितंबर।

उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 2 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि इस निगम के बनने के बाद प्रदेश में सरकारी विभागों के कार्यों में चल रही आउटसोर्सिंग अधिक पारदर्शी होगी। कर्मचारियों को पूरा मानदेय मिलेगा और मासिक वेतन के साथ ही उनके ईपीएफ और ईएसआई खातों में सीधे पैसा जाएगा। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है और यह प्रावधान किया गया है कि 3 साल तक विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर सकेंगे। कहा जा रहा है कि आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विभाग के बजाए अब निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से करेगा।

कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत इस निगम लिमिटेड का गठन किया गया है, जो नॉन प्रॉफिटेबल कंपनी है। प्रावधान किया गया है कि आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से कर्मचारी उपलब्ध कराने के एवज में निगम विभाग से प्रत्येक कर्मचारी से एक प्रतिशत सेस की वसूली करेगा जिसे निगम कार्यों पर खर्च किया जाएगा और शेष धनराशि

आउटसोर्स मजदूरों के वेल्फेयर के लिए खर्च की जाएगी। यह भी निगम के गठन के दस्तावेज में रखा गया है कि सृजित पदों पर आउटसोर्सिंग की भर्ती नहीं की जाएगी। आउटसोर्सिंग में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिलाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा।

इस आयोग के गठन के बाद समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं। कुछ लोग इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम मान रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसे स्थाई भर्ती की जगह आउटसोर्सिंग से काम कराने की कार्रवाई के रूप में देख रहे हैं। यदि इसके दस्तावेजों को गौर से देखा जाए तो कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के कार्मिक विभाग के शासनादेश दिनांक 6 जनवरी 2020 में स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार सृजित पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग के आधार पर सेवाएं लेना पूर्णतया प्रतिबंधित है और आउटसोर्सिंग पद का सृजन भी पूर्णतया वर्जित है। इसके बावजूद इस निगम द्वारा चार श्रेणियों में पदों का विभाजन किया गया है। श्रेणी एक में चिकित्सीय, इंजीनियरिंग, व्याख्यान, परियोजना प्रबंधन, लेखा, वास्तुविद, अनुसंधान सेवाएं शामिल हैं। श्रेणी 2 में कार्यालय सेवाएं, आशुलिपिकीय, लेखा, डाटा प्रोसेसिंग, अनुवाद, कल्याण, कला शिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण, शिक्षण, ड्राफ्टिंग, एक्सरे, नर्सिंग, फार्मसी, इंजीनियरिंग, कानूनी

परामर्शदाता, सांख्यिकी सेवाएं आएंगी। श्रेणी 3 में कार्यालय, आशुलिपिकीय स्तर 3, टंकण, दूरसंचार, भंडारण, फोटोग्राफी, डाटा प्रोसेसिंग, पुस्तकालय, इलेक्ट्रीशियन, यांत्रिक, फिटर, प्रयोगशाला परिचालन, पैरामेडिकल, पर्यवेक्षणीय, प्रबंधकीय सेवाएं, वाहन चालन सेवाएं आएंगी। श्रेणी 4 में कार्यालय सेवाएं, लिफ्ट ऑपरेटर, प्रयोगशाला, अभिलेख, कार्यालय अधीनस्थ, भंडारण, डाक, रंग रोगन, खानपान, बागवान, श्रम सेवाएं जैसी 43 विशिष्ट सेवाएं और यांत्रिक, विद्युत, सैनिटेशन, पंपिंग, फायर सुरक्षा सेवाएं इत्यादि जैसी अति विशिष्ट 47 सेवाएं शामिल की गई हैं। इस सूची में प्रदेश में मौजूदा समय में आपको सरकारी विभागों में ज्यादातर जारी काम देखने को मिलेंगे।

यही कारण है कि इस निगम के गठन के पूर्व प्रदेश के लगभग जितने भी विभाग हैं सभी विभागों से अनापत्ति हासिल की गई है। स्पष्ट है कि यह सारी सेवाएं जो अभी स्थाई कामों और सृजित पदों में हो रही हैं आने वाले समय में उन सबके आउटसोर्सिंग यानी संविदा प्रथा में जाने की तैयारी इस निगम के गठन के साथ की गई है। सब लोग अवगत हैं कि ठेका मजदूर कानून 1970 की धारा 10 स्पष्ट रूप से कहती है कि परमानेंट नेचर के काम में संविदा ठेका प्रथा लागू नहीं की जाएगी। इसके

बावजूद राष्ट्रपति भवन से लेकर हर विभाग में धीरे-धीरे संविदा प्रथा चालू कर दी गई है, जिसके जरिए स्थाई कामों और सृजित पदों के सापेक्ष बेहद कम मानदेय या पारिश्रमिक पर काम करकर मजदूरों और कर्मचारियों की श्रम शक्ति की बड़े पैमाने पर लूट की जा रही है। एक ही उदाहरण से इस निगम के द्वारा किए जा रहे न्यूनतम पारिश्रमिक भुगतान के दावे के बारे में समझ सकते हैं। चिकित्सीय सेवाओं के लिए एमबीबीएस डॉक्टर का न्यूनतम पारिश्रमिक निगम की तरफ से 40000 रुपए प्रतिमाह तय किया गया है। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से बात करने पर बताया गया कि इस समय संविदा पर जो एमबीबीएस डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में नियुक्त किये जा रहे हैं उन्हें 1 लाख रुपए मानदेय दिया जा रहा है। जो डॉक्टर ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत नियोजित हो रहे हैं वह भी 60-70 हजार रुपए पा रहे हैं। यदि सृजित पद के सापेक्ष सरकारी भर्ती से कोई डॉक्टर आता है तो उसकी प्रारंभिक तनखाह करीब 87000 बनती है। ऐसे में लोग समझ सकते हैं कि इससे कितनी बड़ी लूट का भविष्य में रास्ता खोला जा रहा है। हालात यह है कि इस निगम का ही पूरा स्टाफ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से नियुक्त होगा। बोर्ड में कार्यरत महानिदेशक और कार्यकारी निदेशक व वित्त नियंत्रक के अलावा सारे पद

जनरल मैनेजर, मैनेजर, महानिदेशक का व्यक्तिगत सहायक, कंपनी सचिव, सीनियर अकाउंटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कार्यालय अधीनस्थ कर्मी, चौकीदार, स्वीपर सफाई कर्मी सब आउटसोर्स से ही नियुक्त किए जाएंगे। यदि सरकार यह कह रही है कि यह निगम स्थाई रूप से बनाया गया है तो आउटसोर्स से नियुक्त किए गए इसके सारे कर्मचारियों की ही नियुक्ति खुद योगी सरकार के शासनादेश के अनुसार गैरकानूनी है। यही नहीं जिस गवर्नमेंट मार्केट प्लेस पोर्टल यानी जेम पोर्टल की बात बार-बार की जा रही है, वह कोई नई बात नहीं है। भारत सरकार पूर्व में ही सभी सेवाओं और सामानों, खनन, टैंडर आदि को जेम पोर्टल पर ही करने की नीति लागू की हुई है। जिसके बदले में भारत सरकार का वित्त मंत्रालय न्यूनतम सेवा शुल्क के बतौर 3.85 प्रतिशत शुल्क कंपनियों से लेता है।

कुछ लोगों को यह लग रहा है कि यह निगम आने वाले समय में खुद कार्य को कराएगा। इसके बारे में भी इसकी बहुत स्पष्ट व्यवस्था में कहा गया है। निगम सिर्फ एक नियामक निकाय के बतौर काम करेगा। यह किसी भी कार्य को खुद नहीं करेगा बल्कि विभाग द्वारा कार्य मांगे जाने पर निगम जेम पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्स कंपनी का चयन करेगा और यह कम्पनी अपने कर्मचारियों की नियुक्ति करेगी। कर्मी शुद्ध रूप से

आउटसोर्स कम्पनी के कर्मचारी माने जाएंगे जिनका सरकार से कोई वास्ता नहीं है। दरअसल इसमें भी बड़ा खेल है। विभाग द्वारा आउटसोर्स कम्पनी को चयनित करने और काम देने पर प्रथम नियोक्ता विभाग होता है और ध्यान का न्यूनतम है जो न्यूनतम 3 वर्ष कार्य करने का प्रावधान किया है, जो कर्मचारियों के ग्रेच्युटी अधिकार का हनन है। ग्रेच्युटी एक्ट के अनुसार 5 वर्ष की कार्यवाधि के बाद ही यह हनन, टैंडर आदि को जेम पोर्टल पर ही करने की नीति लागू की हुई है। जिसके बदले में भारत सरकार का वित्त मंत्रालय न्यूनतम सेवा शुल्क के बतौर 3.85 प्रतिशत शुल्क कंपनियों से लेता है।

कुछ लोगों को यह लग रहा है कि यह निगम आने वाले समय में खुद कार्य को कराएगा। इसके बारे में भी इसकी बहुत स्पष्ट व्यवस्था में कहा गया है। निगम सिर्फ एक नियामक निकाय के बतौर काम करेगा। यह किसी भी कार्य को खुद नहीं करेगा बल्कि विभाग द्वारा कार्य मांगे जाने पर निगम जेम पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्स कंपनी का चयन करेगा और यह कम्पनी अपने कर्मचारियों की नियुक्ति करेगी। कर्मी शुद्ध रूप से

इसे कैसे लागू करेगी यह देखना बाकी है। जहां तक अंशेष्टि के लिए 15000 रुपए श्रमिक को दिए जाने, मातृत्व हित लाभ देने, इलाज की अवधि में 70 प्रतिशत वेतन देने की बात है यह सब ईएसआई लाभों में खुद ही मौजूद है। इसमें आउटसोर्सिंग कम्पनी, सरकार अथवा विभाग की तरफ से एक पैसा भी खर्च नहीं किया जाएगा। पेंशन, मृत्यु हितलाभ भी ईपीएफ के नियमों में ही आते हैं।

सरकार का यह दावा भी खोखला है कि इस निगम के बनने के बाद आउटसोर्सिंग कम्पनियां मनमानी नहीं कर पाएंगी। निगम की व्यवस्था में जरूर यह प्रावधान है कि अनियमितता बरतने वाली कम्पनियों को ब्लैक लिस्टेड और दंडित किया जाएगा पर यह कैसे होगा इसकी क्या प्रक्रिया होगी इस पर कोई बात नहीं कही गई है। जहां तक न्यूनतम मजदूरी की बात है सातवें वेतन आयोग ने देश में 21000 रुपए न्यूनतम मजदूरी तय की थी। जो मौजूदा महंगाई दर के अनुसार 26000 रुपए होगी चाहिए। उस हिसाब से 16000 से 20000 रुपए के मासिक पारिश्रमिक की घोषणा बेहद कम है। उत्तर प्रदेश में तो हालत इतनी बुरी है कि 2014 में यहां न्यूनतम मजदूरी का वेज रिवीजन किया गया था, जो न्यूनतम मजदूरी कानून के प्रावधानों के अनुसार पांच वर्ष बाद यानी 2019 में होना था, जिसे आज तक नहीं किया गया।



लोग भुखमरी से जूझ रहे हैं इसी बीच गाजा खाली करने का आ गया फरमान

गाजा,07 सितंबर (एजेंसियां)।

इजरायली हमलों से गाजा कांक्रोट का जंगल बन गया है। यहां भुखमरी के हालात हैं। इससे निजात मिलती इससे पहले ही इजरायल से गाजा खाली करने का फरमान आ गया। इसी बीच इजरायल ने गाजा सिटी की ऊंची इमारतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इजरायल ने कई बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया है। सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा शहर से बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने से मानवीय संकट की स्थिति और विकराल हो सकती है। खाद्य संकट के

मद्देनजर दुनिया के अग्रणी संगठन ने शहर को अकालग्रस्त घोषित कर दिया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचेय अद्रेई ने शनिवार को फलस्तीनियों से गाजा पट्टी के दक्षिण की ओर जाने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच चक्स 'पर कहा कि सेना ने मुवासी के अस्थायी शिविर और दक्षिणी शहर खान यूनिस के कुछ हिस्सों को मानवीय क्षेत्र घोषित किया है। इजरायल ने मानवीय क्षेत्र की पुनःरेखांकित सीमाओं के भीतर खान यूनिस के मोहल्लों का एक नक्शा साझा किया, जिसमें नासिर अस्पताल वाले जिले को भी शामिल किया गया है। पिछले

हफ्ते इजराइल ने इस अस्पताल पर हमला किया था जिसमें 22 लोग मारे गए थे। अद्रेई ने कहा कि फलस्तीनी गाजा शहर से खान यूनिस तक तथा शहर के पश्चिम में स्थित मुवासी तक बिना तलाशी के एक निर्धारित सड़क के माध्यम से जा सकेंगे। अधिकांश परिवार लगभग दो वर्ष से चल रहे इजराइल-हमास युद्ध के कारण कई बार विस्थापित हो चुके हैं और उनका कहना है कि उनके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं बचा है, क्योंकि इजराइली सेना ने बार-बार उन शिविरों पर बमबारी की है, जिन्हें उसने मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। सहायता समूहों

ने मुवासी में आश्रय, स्वच्छता, पानी और भोजन की कमी पर चिंता जताई है। महीनों से चल रही बमबारी ने खान यूनिस में नागरिक बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि वह नए नामित मानवीय क्षेत्र में क्षेत्रीय अस्पताल, पानी की पाइपलाइन और खाद्य आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए काम करेंगे। संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को कहा कि उसके कर्मचारी गाजा शहर में बने रहेंगे, ताकि शहर पर इजराइल के नए हमले में फंसे फलस्तीनियों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण सूडान ने अमेरिका से निर्वासित मैक्सिकन नागरिक को मैक्सिको लौटाया



जुबा। दक्षिण सूडान ने शनिवार को एक मैक्सिकन नागरिक को उसके देश वापस भेज दिया, जिसे जुलाई में अमेरिका द्वारा जुबा निर्वासित किया गया था। यह जानकारी दक्षिण सूडान के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, मैक्सिको ने आशवासन दिया था कि वापसी पर संबंधित नागरिक को यातना, अमानवीय व्यवहार या अनुचित मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके बाद दक्षिण सूडान ने जीसस मुन्योस गुटिरेज को मैक्सिको के नामित राजदूत अलेजांद्रो ड्वेस एस्टिविल के हवाले कर दिया, जो शुक्रवार को जुबा पहुंचे थे। हालांकि गुटिरेज से तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण सूडान अमेरिका से निर्वासित होकर आए अन्य छह तृतीय-देशीय नागरिकों की सुरक्षित और मानवीय वापसी सुनिश्चित करने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्राजील में घोड़ों का खून पिलाकर तैयार किए जा रहे करोड़ों मछर



व्यूरिटिबा। डेंगू, चिकनगुनिया और जीका से निपटने के लिए ब्राजील में करोड़ों मछरों की फीज तैयार की जा रही है। ये फीज डेंगू और जीका से लड़ने में सक्षम हैं। यही वजह है कि व्यूरिटिबा शहर में एक ऐसी फैक्ट्री है, जिसके बारे में सुनकर एक बार तो लोगों को यकीन नहीं आता है। यह फैक्ट्री मछर बनाती है। इस फैक्ट्री में करोड़ों की संख्या में मछर तैयार हो रहे हैं। यहां हर हफ्ते मछरों के करीब 10 करोड़ अंडे तैयार किए जाते हैं। इनको बहुत ही नाजुक ढंग से पैला जाता है। ये मछर ज्यादा से ज्यादा अंडे, इसके लिए इनको घोड़ों का खून भी पिलाया जाता है। दरअसल इन मछरों में वोलाबाचिया नाम का बैक्टीरिया डाला जाता है। यह बैक्टीरिया मछरों की बीमारी फैलाने की क्षमता को कम कर देता है। फैक्ट्री में तैयार मछर जब बाहर छोड़े जाते हैं, तो वे दूसरे मछरों में भी यही वायरस फैला देते हैं। इन मछरों को प्यार से वोलाबिटोस कहा जा रहा है। कोलंबिया, इंडोनेशिया और ब्राजील के नितेरोइ में भी यह प्रयोग आजमाया जा चुका है। इन शहरों में मछरों को पैदा करने का परिणाम शानदार रहा। प्रयोग में शामिल जगहों में डेंगू के मामलों में 69 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। मछरों की इस फैक्ट्री को चलाना इतना भी आसान नहीं है। मछरों के पनपने के लिए सही तापमान, नमी और खुत चाहिए। साथ ही आसपास के लोगों को भी समझाना पड़ता है कि ये मछर काटने वाले नहीं बचाने वाले हैं। यानी इनसे किसी तरह का कोई खतरा उनको नहीं है। ब्राजील के व्यूरिटिबा की यह अनोखी फैक्ट्री करोड़ों मछरों को पैदा कर रही है।

वॉट्सएप का नया वलोज फ्रेंड्स फीचर यूजर्स को देगा नई सुविधा

सैन फ्रांसिस्को। लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप वॉट्सएप अपने स्टेटस फीचर में एक बड़ा बदलाव लेकर आ रही है।



हाल ही में आईओएस बीटा वर्जन 25.23.10.80 में देखा गया यह फीचर यूजर्स को अपने स्टेटस सिर्फ चुनिंदा लोगों के साथ शेयर करने की सुविधा देगा। रिपोर्ट के अनुसार, नया वलोज फ्रेंड्स फीचर यूजर्स को इंस्टाग्राम जैसी सुविधा प्रदान करेगा, जहां यूजर अपनी एक विशेष लिस्ट बना सकता है और उसी लिस्ट में शामिल दोस्तों के साथ ही अपने स्टेटस शेयर कर सकेगा। यह फीचर खास तौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी होगा जो चाहते हैं कि उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी जानकारीयां पूरी कॉन्टैक्ट लिस्ट तक न पहुंचें, बल्कि केवल उन्हीं दोस्तों तक सीमित रहें जिन पर वे सबसे अधिक भरोसा करते हैं। इस फीचर की सबसे खास बात यह होगी कि स्टेटस पोस्ट करते समय यूजर को यह विकल्प मिलेगा कि वह इसे सामान्य कॉन्टैक्ट्स के साथ शेयर करना चाहता है या केवल अपनी बनाई हुई वलोज फ्रेंड्स लिस्ट तक सीमित रखना चाहता है। इसके अलावा स्टेटस पर एक अलग रंग का रिंग भी दिखाई देगा, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह अपडेट खास तौर पर वलोज फ्रेंड्स के लिए ही साझा किया गया है। हालांकि, इस लिस्ट की गोपनीयता पूरी तरह से बनी रहेगी और किसी भी कॉन्टैक्ट को यह पता नहीं चलेगा कि वह आपकी वलोज फ्रेंड्स लिस्ट में शामिल है या नहीं। वर्तमान में वॉट्सएप पर आमतौर पर शेयर किए गए स्टेटस मौजूद हैं, लेकिन नया फीचर इसे और अधिक सरल और सहज बना देगा।

वहां चीन कर रहा था विक्ट्री डे परेड की तैयारी, यहां बढ़ गई थी पिज्जा की बिक्री

पेंटागन,07 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन जब विक्ट्री डे परेड की तैयारी कर रहा था तभी अमेरिका के पेंटागन इलाके में तेजी से पिज्जा ऑर्डर होने लगे। कहा जाता है कि जब अमेरिका पर कोई संकट आने वाला होता है या फिर वह किसी युद्ध की तैयार करता है तो पेंटागन के पास पिज्जा आउटलेट्स में बिक्री बढ़ जाती है। 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन पर महाभियोग के दौरान भी खूब पिज्जा आर्डर देखने को मिले थे। इसके अलावा जब ईरान पर अमेरिका ने हमला किया था, तभी भी यही पैटर्न दिखा था। ऐसे में पेंटागन में जब-जब पिज्जा के ऑर्डर तेज हुए हैं तब-तब इसे युद्ध का संकेत माना गया है। इसे पेंटागन पिज्जा इंडेक्स के नाम से जाना जाता है।

बता दें बीते दिनों जब कई दिनों तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी सार्वजनिक मंच पर नजर नहीं आए तो सोशल मीडिया पर ट्रंप इज डेड ट्रेंड करने लगा। इस दौरान भी पेंटागन के आसपास पिज्जा आउटलेट्स पर ऑर्डर तेजी से बढ़ गया। पेंटागन पिज्जा रिपोर्ट ने भी यही संकेत दिया कि शायद कुछ बढ़ा होने वाला है। 13 सितंबर को चीन में मिलिट्री डे की परेड थी। इसमें उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी हिस्सा ले रहे थे। इससे पहले 1 और 2 सितंबर को वाइट हाउस के पास डोमिनोज में बिक्री बहुत तेज थी। वहीं पेंटागन के पास भी पिज्जा ऑर्डर का ट्रेंडिक बढ़ गया था। बता दें सोवियत रूस की खुफिया एजेंसियों ने सबसे पहले बताया कि पेंटागन और वाइट हाउस के पास पिज्जा ऑर्डर का बढ़ना संकट का संकेत देता है। 1990 में यह थ्योरी काफी चर्चा में थी। वॉशिंगटन में डोमिनेज की एक फ्रेंचाइजी ने नोटिस किया था कि जब कुवैत और इराक पर आक्रमण होता था तब सीआईए को इमारत के पास पिज्जा के ऑर्डर बढ़ गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में जब कोई संकट आता है या फिर युद्ध की तैयारी होती है।



जिनपिंग से मिलेंगे फिर दक्षिण कोरिया जा सकते हैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। वैश्विक स्तर पर चल रही उथल-पुथल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने टॉप सलाहकारों के साथ दक्षिण कोरिया के दौरे पर निकल सकते हैं। वे एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में शामिल होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि समिट में ट्रंप की चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना पर बातचीत चल रही है, हालांकि अभी कोई पक्का प्लान नहीं बना है। यह सम्मेलन अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में ग्योन्गजू में होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले महीने शी जिनपिंग ने फोन पर ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का न्योता दिया था। ट्रंप ने भी उन्हें अमेरिका आने का ऑफर दिया, लेकिन अभी कोई डेट फिक्स नहीं हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप की टीम इस ट्रिप को अमेरिका में और आर्थिक निवेश लाने के मौके के तौर पर भी देख रही है। व्हाइट हाउस अधिकारी ने बताया, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर बात चल रही है, जिसमें आर्थिक सहयोग पर फोकस होगा। इसके अलावा व्यापार, रक्षा और सिविल न्यूक्लियर सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप की इस यात्रा में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से दोबारा मुलाकात का मौका भी बन सकता है, लेकिन किम का समिट में शामिल होना अभी पक्का नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों का ज्यादा ध्यान शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की प्लानिंग पर है। पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान उन्होंने ट्रंप को समिट में आने का न्योता दिया था। उन्होंने सुझाव दिया कि इस दौरान ट्रंप और किम की भी मुलाकात हो सकती है।



काठमांडू में शुरू हुआ नेपाल-चीन की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री'



काठमांडू। चीन और नेपाल की सेनाओं के बीच अभ्यास 'सागरमाथा मैत्री' का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडू में शुरू हुआ। इस दिवसीय यह अभ्यास आतंकवाद विरोधी अभियानों, युद्ध प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन पर केंद्रित होगा। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का 37 सदस्यीय सैन्य दल अभ्यास में भाग लेने के लिए 5 सितंबर को ल्हासा से यहां पहुंचा था। इस वर्ष का यह अभ्यास पिछले साल चीन में संचालित प्रांत के गोंगकिंग में आयोजित अभ्यास की ही एक कड़ी है। नेपाल सेना के अनुसार दोनों देशों के बीच युद्धाभ्यास का यह सिलसिला 2017 में काठमांडू से शुरू हुआ था, जिसके बाद बारी-बारी से चीन और नेपाल में यह अभ्यास चल रहा है। हालांकि, 2023 में कोरोना महामारी के कारण यह युद्धाभ्यास नहीं हो पाया था। 'सागरमाथा मैत्री' सैन्य अभ्यास नियमित क्षमता निर्माण और अनुभव साझा करने की कवायद है, जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है। नेपाल और चीन के बीच बढ़ते सैन्य अभ्यासों ने भारत, अमेरिका और पश्चिमी देशों का ध्यान आकर्षित किया है, जिन्हें चीन के व्यापक बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के संदर्भ में देखा जा रहा है। नेपाल 'सूर्य किरण' श्रृंखला के तहत अमेरिका, जापान और भारत के साथ भी इसी तरह का सैन्य सहयोग रखता है।

नाइजीरिया में बोको हरम आतंकियों ने बर्बर हमले को दिया अंजाम, 63 लोगों की हत्या कर घरों में लगाई आग

अबुजा (नाइजीरिया), 07 सितंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरिया में पूर्वोत्तर के एक गांव दारुल जमाल में बोको हरम के आतंकियों ने बड़ा हमला कर दर्जनों लोगों की हत्या कर दी। इस गांव में हाल ही में विस्थापितों को बसाया गया था। बोनों राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा कर आतंकी हमले में 63 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। हमले में बड़ी संख्या वायलों की है और काफी संख्या उन लोगों की है जो घटना में जान बचा कर भागने में सफल रहे।

बोनों राज्य के दारुल जमाल में संदिग्ध बोको हरम आतंकवादियों ने दर्जनों नागरिकों और अज्ञात संख्या में सैनिकों की हत्या कर दी। हमले में काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने बर्बर तरीके से लोगों की हत्या की और घरों में आग लगा दी। हमले के दौरान काफी लोगों ने वहां से भाग कर जान बचाई।



23 वर्षीय युवक है 83 वर्षीय दादी के साथ रिलेशन में

टोक्यो,07 सितंबर (एजेंसियां)।

जापान के 23 वर्षीय युवक कोफु अपनी क्लासमेट की 83 वर्षीय दादी आइको के साथ बीते छह महीनों से रिलेशनशिप में हैं। इस अनोखी प्रेम कहानी ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस रिश्ते की सबसे बड़ी वजह है इसमें मौजूद 60 साल का उम्र का अंतर। एक रिपोर्ट के अनुसार, कोफु पहली बार अपनी क्लासमेट के घर पहुंचे तो उनकी मुलाकात आइको से हुई और वहीं से इस रिश्ते की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे बातचीत और साथ समय बिताने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती चली गईं और रिश्ता प्रेम में बदल गया। आइको पहले दो शर्तियां कर चुकी हैं और उनके एक बेटा, एक बेटी और पांच पोते-पोतियां हैं। तलाक के बाद वह अपने बेटे के परिवार के साथ रहती थीं। वहीं, कोफु यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरा करने के करीब हैं और फिलहाल एक क्रिएटिव डिजाइन कंपनी में इंटरशिप कर रहे हैं। दोनों का कहना है कि यह पहली नजर का प्यार था।

आइको ने बताया कि कोफु बेहद विनम्र और जीवंत स्वभाव के हैं, जैसा उन्होंने पहले कभी किसी में नहीं देखा। हालांकि उम्र के इतने बड़े अंतर की वजह से शुरुआत में दोनों ने अपने दिल की बात



जाहिर करने से परहेज किया, लेकिन हालात तब बदले जब आइको की पोती ने डिजनीलैंड का ट्रिप प्लान किया और अंतिम वक्त पर जाने से मना कर दिया। उस दौरान आइको और कोफु अकेले रह गए और सिंगेला कैसल के सामने सूर्यास्त के समय कोफु ने आइको से अपने प्यार का इजहार कर दिया। इसके बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे किसके घर में रह रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इस रिश्ते के

सार्वजनिक होने के बाद दोनों परिवारों ने उन्हें पूरा समर्थन दिया है। शायद की लेकर अब तक कोई छह चर्चा नहीं हुई है, लेकिन कोफु का कहना है कि उनके लिए यही काफी है कि हर सुबह सबसे पहले आइको का चेहरा देखने को मिले। वहीं आइको ने कहा कि जब कोफु काम पर जाते हैं तो उन्हें अकेलापन महसूस होता है, लेकिन उनके लिए खाना बनाना उन्हें ऊर्जा देता है। मजाकिया अंदाज में उन्होंने यह भी बताया कि कोफु रात को सोने से पहले उनके दांत भी ब्रश कराते हैं।

गतिविधियाँ कर रहा था, लेकिन दुर्भाग्य से कल रात उन्हें बोको हरम के हमले का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया के स्थानीय जिहादियों ने साल 2009 में बोको हरम का गठन किया। इस संगठन का उद्देश्य पश्चिमी शिक्षा का विरोध करते हुए कट्टरपंथी इस्लामी व्यवस्था थोपना था। अपने इस उद्देश्य के लिए संगठन के आतंकियों ने दर्जनों बर्बर घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैला दी। साल 2021 में बोको हरम के कुख्यात नेता अबुबकर शेकाऊ के मरने के बाद संगठन दो हिस्सों में बंट गया। एक गुट इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा है और इसे इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएफपी) के नाम से जाना जाता है। यह गुट आमतौर पर सेना पर हमले करता है। दूसरा गुट जमातु अहलस सुन्ना लिहावती वल-जिहाद (जेएफएस) आम नागरिकों को निशाना बनाता है और फिराती व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता है।



पोलार्ड ने कैरिबियाई प्रीमियर लीग में 18 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए

जमैका, 07 सितंबर (एजेंसियां) । यहां जारी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनिबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेल करे आक्रामक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगा दिया। पोलार्ड ने 18 गेंदों में ही नाबाद 54 रन बना दिये। इस पारी में उन्होंने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये। इस मैच में पोलार्ड छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पोलार्ड ने केवल 17 गेंदों में ही

अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया। यह उनका सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक रहा है। वहीं, इस लीग में अब तक का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले केविन लुईस और डेविड मिलर ने 17-17

गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। सीपीएल में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के के नाम है। रसेल ने 14 गेंदों में ही ये उपलब्धि हासिल की थी। जेपी डुमिनी ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। पोलार्ड ने रोमारियो शेफर्ड के अंतिम ओवर में जकर चौके छक्के लगाये। सीपीएल के इस सत्र उनका तीसरा अर्धशतक है। पोलार्ड ने 1 सितंबर को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ 29 गेंदों में 65 जबकि 23 अगस्त को सेंट लूसिया किंग्स के विरुद्ध 29 गेंदों में 65 रन बनाए थे। हालांकि, पोलार्ड की आक्रामक पारी के बाद भी उनकी टीम ट्रिनिबागो को हार का सामना करना पड़ा। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 167 रन बनाये थे जबकि गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने शाई होप के 46 गेंदों में 54 रनों की सहायता से ये लक्ष्य हासिल कर लिया। वहीं शिमरोन हेटमायर ने 49 जबकि प्रीटोरियस ने नाबाद 26 रन बनाये।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर सुब्रायन का गेंदबाजी एक्शन वैध पाया गया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन का गेंदबाजी एक्शन वैध पाया गया है। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी जारी रख सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को एक बयान में बताया कि 19 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान सुब्रायन की संदिग्ध अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई थी। इसके बाद 26 अगस्त को ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट केंद्र में उनका स्वतंत्र गेंदबाजी मूल्यांकन किया गया, जिसमें पता चला कि उनकी सभी गेंदों में कोहनी का विस्तार आईसीसी अवैध गेंदबाजी नियम के तहत निर्धारित 15 डिग्री के स्तर के भीतर था। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 1-2 से गंवा दी, लेकिन बाद में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 जीत ली। सुब्रायन ने पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेकर योगदान दिया था। इस ऑफ स्पिनर ने अब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने पांच विकेट हासिल किए हैं।



सबालेंका ने अमेरिकी ओपन टेनिस का महिला एकल खिताब जीता

न्यूयॉर्क। विस्व की नंबर एक खिलाड़ी बेलाारुस की एरिना सबालेंका ने अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल का खिताब जीता है। सबालेंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सीधे सेटों में 6-3 7-6 (7-3) से हराया। सबालेंका ने इस जीत के साथ ही अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है। सबालेंका ने जीत हासिल करने के बाद खुशी में कोर्ट पर अपना रैकेट गिरा दिया। सबालेंका पिछले 11 वर्षों में पहली महिला खिलाड़ी बन गई है जो अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रही हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स 2012 से लेकर 2014 तक लगातार तीन बार चैंपियन बनी थी। वहीं इस बार उपविजेता रही अमांडा को लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वह जुलाई में विंबलडन के फाइनल में भी पोलैंड की इगा स्वियातेक से हार गई थी। अमांडा ने भी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अवसरों का लाभ नहीं उठाने के कारण हार गयीं। अमांडा ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा कि वह कड़ी मेहनत करती है जिसके कारण ही उसे जीत मिली है। मुझे भी अवसर मिले थे पर मैं उनका लाभ नहीं उठा पायी। सबालेंका ने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। सबालेंका इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैडिसन कीज से और फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ से हार गई थी पर इस बार उन्होंने अपने पर भरोसा बनाये रखा जिससे वह जीत गयीं।

रजा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के मामले में विराट और सूर्यकुमार से आगे निकले



हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के कप्तान सिकंदर रजा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी 20 मुकाबले में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रजा ने केवल 11 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे श्रीलंकाई टीम 80 रनों पर ही सिमट गयी। रजा को अपने इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला है। इस अवॉर्ड को जीतते ही रजा ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और वर्तमान टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया। टी20 में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीतने के मामले में अब रजा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव से आगे निकल गये हैं। रजा ने अपने करियर का 17वां प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता था। इससे वह टेस्ट खेलने वाले देशों में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। विराट और सूर्यकुमार ने अपने करियर में 16 बार इस अवॉर्ड को जीता है। कोहली ने टी20 प्रारूप को अलविदा कह दिया है। सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मलेशिया के वीरनदीप सिंह के नाम हैं, जिन्होंने 22 बार टी20 में ये अवार्ड जीता है।

समाज में कैंसर जागरूकता के लिए डॉक्टरों को समर्पित इंडियन हेल्थकेयर लीग शुरू

आईएचएल में देश की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की क्षमता : चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां) । व्हाइटकोट स्पोर्ट्स की ओर से इंडियन हेल्थकेयर लीग (आईएचएल) का अनावरण किया गया है। यह लीग विशेष रूप से डॉक्टरों को समर्पित है। लीग का उद्देश्य डॉक्टरों को खेल के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है। साथ ही चिकित्सा जगत और समाज में कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को बढ़ावा देना है। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स ने रविवार को बताया कि शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इंडियन हेल्थकेयर लीग वास्तव में एक अनूठी पहल है, जो हमें स्वस्थ रखने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। लीग का मकसद कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ ही डॉक्टरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना है। यह बदलाव का एक मूवमेंट है। मेरा मानना है कि यह हेल्थकेयर लीग न केवल डॉक्टरों को, बल्कि पूरे समाज को फिटनेस, निवारक स्वास्थ्य और खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स के सीएमडी डॉ. राहुल मंगल ने कहा कि व्हाइटकोट स्पोर्ट्स में हम डॉक्टर-फर्स्ट की नीति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। इंडियन हेल्थकेयर लीग न केवल फिटनेस को बढ़ावा देने के बारे में है, बल्कि हमारे समय की दो महत्वपूर्ण प्रार्थनाओं का कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के बारे में भी है। डॉक्टरों को खेल में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करके हमारा लक्ष्य एक ऐसा प्रभाव पैदा करना है, जहां स्वस्थ डॉक्टर मजबूत समुदायों का नेतृत्व करें। साथ ही यह लीग उन मुद्दों पर जागरूकता भी बढ़ाए जो पूरे भारत में लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। पहले सीजन में छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल इंडियन हेल्थकेयर लीग के पहले सीजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। ये टीमें दिल्ली अवतार, गुजरात लायनहार्ट्स, राजस्थान लेक-सिटी वॉरियर्स, महाराष्ट्र मेड टाइटन्स, हरियाणा जुगनॉट्स और उत्तर प्रदेश सुपर किंग्स हैं।

एशिया कप से पहले भारतीय खिलाड़ियों का हुआ ब्रॉको टेस्ट

दुबई। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से ठीक पहले यहां भारतीय टीम का यहां आईसीसी अकादमी में ब्रॉको टेस्ट हुआ। इसमें सभी खिलाड़ी सफल रहे। भारतीय टीम ने यहां पहुंचने से पहले यो-यो टेस्ट भी पास किया था। ब्रॉको टेस्ट टीम के नये स्ट्रेथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉव्स आये हैं हालांकि इसको लेकर आर अश्विन सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल भी उठाये हैं। उनका कहना है कि इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ जाएगा। एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को मेजबान यूएई जबकि 14 को पाकिस्तान से होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खिलाड़ियों ने दुबई में अपने दूसरे अभ्यास सत्र के दौरान ब्रॉको टेस्ट दिया। भारतीय टीम इंडिया ने यहां पहुंचने के बाद से ही अभ्यास भी किया जिससे खिलाड़ियों को लय हासिल करने का अवसर मिला। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रॉको टेस्ट चयन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह केवल फिटनेस का आकलन होता है। इंग्लैंड दौरे में भी भारतीय टीम ने ये टेस्ट दिया था। गौरतलब है कि इस टेस्ट में एक खिलाड़ी 20 मीटर शटल रन से शुरुआत करता है। जिसके बाद 40 मीटर और 60 मीटर की दौड़ होती है। इस प्रकार, कुल मिलाकर यह एक सेट बनता है। एक खिलाड़ी को बिना ब्रेक लिए ऐसे पांच सेट (कुल 1200 मीटर) दौड़ना होता है। रिपोर्ट में कहा भारतीय क्रिकेटरों को ब्रॉको टेस्ट 6 मिनट के अंतराल में पूरा करने के लिए कहा गया है। वहीं 2 किलोमीटर के टाइम ट्रायल में तेज गेंदबाजों के लिए बेचमार्क 8 मिनट 15 सेकंड का था। वहीं बल्लेबाजों, विकेटकीपर्स और स्पिनर्स के लिए यह 8 मिनट 30 सेकंड का था।



मुरादाबाद की कृतिका गुप्ता ने 37 वीं कुश्ती स्टेट प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मैनाटेर निवासी कृतिका गुप्ता ने बरेली में खेले गई 37 वीं कुश्ती स्टेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने सब जूनियर वर्ग में 42 किग्रा भार वर्ग में विरोधी खिलाड़ी को चित करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। यह प्रतियोगिता बरेली में जय नारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को खेले गई थी। कृतिका गागन वाली मैनाटेर में रहती हैं और लाइनपार में निजर अखाड़े में पहलवान डॉ. आनंद राघव से प्रशिक्षण ले रही हैं। पिता दिलीप कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह बड़ी उपलब्धि है। उनकी बेटी अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

बीसीसीआई ने बनाया रिकार्ड, पांच साल में 14,627 करोड़ रुपए कमाए

मुम्बई, 07 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कमाई छार साल बढ़ती जा रही है। बीसीसीआई पहले ही दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है पर आईपीएल के आने के बाद उसकी कमाई और भी बढ़ी है। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीसीसीआई ने 14,627 करोड़ रुपये कमाये हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड का बैंक बैलेंस 12 महीने पहले 20,686 करोड़ रुपये था। बीसीसीआई की संपत्ति पिछले एक साल में काफी तेजी से बढ़ी है। इसका वित्तीय आंकलन 28 सितंबर को होने वाली आम बैठक में आयेगा। साल 2024 की आम बैठक में सामने आये आंकड़े के अनुसार साल 2019 से ही बीसीसीआई की नगदी और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये पहुंची है। ये रकम राज्य क्रिकेट संघों को बांटी गई राशि से पहले थी। इसलिए साल 2019 से ही बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में 14,627 करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी है। यह पिछले वित्तीय वर्ष से 4,193 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा 2019 से ही उसका जेनरल कोष भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस प्रकार उसमें 4,082 करोड़ रुपये की बढ़त हुई है। बीसीसीआई ने

आयकर के लिए ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। बोर्ड के लिए राज्य और भी अधिक होता पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से प्रसारण अधिकार राशि पिछले साल के 2,524.80 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कमी पिछले साल की तुलना में साल के दौरान खेले गए अंतरराष्ट्रीय घरेलू मैचों की कम संख्या से आई है।

इरफान पठान ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह में जितेश नहीं सैमसन को शामिल किया

नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां) । पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप 2025 टूर्नामेंट में नंबर पांच पर जितेश शर्मा नहीं बल्कि संजु सैमसन को उतरना चाहिये। पठान की इस बात से साफ है कि वह विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए जितेश की जगह पर सैमसन को शामिल किये जाने के पक्ष में हैं। उन्होंने पारी की शुरुआत के लिए अभिषेक शर्मा साथ शुभमन गिल को रखा है। पठान ने कहा कि शुभमन उस भूमिका को दोहरा सकते हैं जो विराट कोहली ने काफी समय तक भारतीय टीम के लिए निभाई है। उन्होंने कहा, शुभमन वो काम कर सकते हैं जो विराट कई साल से करते आ रहे हैं। विराट ने अपने ही अंदाज में क्रिकेट खेला है। उन्होंने लंबी पारियां खेलने के प्रयास किये और टी20 क्रिकेट में अपनी अलग जगह बनाई। मैं शुभमन को उन्हीं की तरह का का खिलाड़ी मानता हूं। वहीं नंबर-3 व 4 पर उन्होंने तिलक वर्मा को रखा है। वहीं कहा कि सूर्यकुमार को नंबर-4 पर उतरना चाहिए। सैमसन को जहां अधिकतर दिग्गजों ने अंतिम ग्यारह में जगह नहीं दी है वहीं पठान ने उन्हें नंबर-5 पर खिलाने की सलाह दी है। पठान ने नंबर-6 पर हार्दिक पांड्या और नंबर-7 पर अक्षर पटेल को रखा है। वहीं नंबर-8 पर उन्होंने शिवम दुबे या कुलदीप यादव को रखा है। उनका कहना है कि यह पिच पर निर्भर करेगा कि शुभमन खेलेंगे या कुलदीप। वहीं आखिरी तीन

स्थान के लिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों को शामिल किया है। पठान की पसंदीदा टीम - शुभमन गिल,

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रचा इतिहास, पहली बार स्वर्ण पदक



नई दिल्ली, 07 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने कोरिया के ग्वांगजु में खेले जा रहे विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में रविवार को कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में फ्रांस को हराकर पहली बार स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय टीम ने फाइनल में हर पल संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन किया। कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा के फाइनल में भारतीय टीम पहले सेट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों निकोलस गिरार्ड, जोन फिलिप बौलच और फ्रांस्वा डुबोइस से 59-57 से पिछड़ गयी। हालांकि इसके बाद दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए 60-58 के अंतर से जीतते हुए स्कोर बराबर (117-177) कर दिया। तीसरे सेट में दोनों टीमों की ओर से स्कोर बराबर रहा। अंत में चौथे सेट में भारतीय टीम ने 59 का स्कोर बनाया, जबकि फ्रांस की टीम 57 अंक ही बना पायी। इस तरह भारतीय टीम ने दो अंक को बढ़त हासिल करते हुए फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले ज्योति सुरेखा वेनम और ऋषभ यादव की भारतीय मिश्रित जोड़ी ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। भारतीय तीरंदाजी जोड़ी नीदरलैंड के माइक श्लोएस्सर और साने डे लाट के खिलाफ रोमांचक फाइनल में 155-157 से हार गई। पहले सेट में भारतीय खिलाड़ियों ने 39-38 की बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद के सेटों में वह पिछड़ गए, जिससे टीम फाइनल में हार गई।

आज से आश्विन मास का प्रारंभ

आश्विन महीना हिंदू कैलेंडर का सातवां महीना होता है। जो आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर में आता है। धार्मिक दृष्टि से यह महीना बेहद खास माना गया है, क्योंकि इसमें देवी-देवताओं के साथ पितरों का आशीर्वाद पाने का विशेष अवसर भी मिलता है। इस महीने में पितृ पक्ष, शारदीय नवरात्रि और दशहरा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पड़ते। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल आश्विन महीना 8 सितंबर से शुरू हो रहा है और 7 अक्तूबर 2025 को समाप्त होगा। आश्विन माह का सनातन धर्म में बहुत महत्व है। इस महीने के कृष्ण पक्ष में पितरों को याद करके तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। पितृपक्ष का आखिरी दिन सर्वपितृ अमावस्या होता है, जिससे आश्विन अमावस्या के दिन पितृपक्ष समाप्त हो जाता है। हिंदू धर्म में आश्विन मास का विशेष महत्व है। धर्म शास्त्रों के अनुसार आश्विन मास का प्रत्येक दिन अपने आप में काफी विशेष होता है। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि आश्विन मास में जहां 15 दिन पितृ पक्ष चलता है वहीं 9 दिन शारदीय नवरात्रि की धूम रहती है। इस माह में नवरात्रि, दशहरा जैसे कई पवित्र व्रत और त्योहार आते हैं। इन व्रत त्योहारों में भक्त श्रद्धापूर्वक से पूजा और अर्चना करते हैं। इसके अलावा अपने पितरों की आत्मा की शांति और उनका आशीर्वाद पाने के लिए लोग कई तरह के उपाय इस माह में करते हैं। इस मास में मां दुर्गा को समर्पित है। इस महीने में देव पूजन भी किया जाता है। इस महीने से सूर्य देव धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं।

अश्विन महीना

इस साल आश्विन महीना 8 सितंबर से शुरू हो रहा है और 7 अक्तूबर 2025 को समाप्त होगा। इस महीने



में कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए और कुछ चीजों से परहेज करना भी जरूरी होता है।

आश्विन मास का महत्व

आश्विन मास में बहुत से विभिन्न त्योहार पड़ते हैं। इसकी शुरुआत श्राद्ध पक्ष से होती है। आश्विन मास के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। इससे प्रसन्न होकर पितर हम पर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसके साथ ही शारदीय नवरात्रि और दशहरा जैसे पर्व आते हैं।

आश्विन मास में दान करें

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर नवमी तिथि तक शारदीय नवरात्र में कुंवारी कन्याओं को धन, वस्त्र, भोजन, फल, मिष्ठान आदि का दान देने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पितृ पक्ष

पितृ पक्ष 08 सितंबर से लेकर 21 सितंबर तक है। इस दौरान रोजाना पितरों का तर्पण और पिंडदान किया जाएगा। वहीं, 21 सितंबर को सर्वपितृ तर्पण किया जाएगा। पितृ पक्ष के दौरान पितरों का तर्पण और पिंडदान करने से साधक पर पूर्वजों की कृपा बरसती है।

शारदीय नवरात्र

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो रही है। वहीं, 02 अक्टूबर को विजयादशमी है। आसान शब्दों में कहें तो 22 सितंबर से लेकर 01 अक्टूबर तक शारदीय नवरात्र है। इसके अगले दिन दशहरा मनाया जाएगा। शारदीय नवरात्र के दौरान जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा की

जाती है।

आश्विन एकादशी

आश्विन माह में इंदिरा और पापाकुंशा एकादशी मनाई जाती है। इस साल 17 सितंबर को इंदिरा एकादशी मनाई जाएगी। वहीं, 02 अक्टूबर को दशहरा और पापाकुंशा एकादशी है। इस शुभ अवसर पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाएगी। साथ ही लक्ष्मी नारायण जी के निमित्त व्रत रखा जाएगा।

क्या करें

आश्विन माह के दौरान किसी भी अन्य व्यक्ति के प्रति मन में बैर की भावना नहीं रखनी चाहिए और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। पूरे आश्विन मास के दौरान ध्यान रखना चाहिए कि आप कम से कम गुस्सा करें और मन को शांत रखें। इस दौरान दान करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति दान करता है, उसे पुण्य की प्राप्ति होती है। तिल और घी का दान करना चाहिए। आश्विन माह के दौरान घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस महीने में मां दुर्गा सप्तशती का पाठ करना बहुत ही शुभ होता है। इससे घर में खुशहाली आती है और दुर्गा की कृपा घर पर बनी रहती है।

क्या न करें

आश्विन महीने में शारदीय नवरात्रि का त्योहार भी पड़ता है, इसलिए इस समय मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दौरान दूध का सेवन करने और करेला खाने से परहेज करना चाहिए। लहसुन, प्याज, और सफेद तिल का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, लौकी, मूली और सरसों का साग नहीं खाना चाहिए। काला नमक, सत्तू, जीरा और मसूर की दाल खाने से बचना चाहिए। पूरे

आश्विन माह में किसी भी तरह के विवाद, झगड़ा, मनमुटाव या तनाव से बचना चाहिए। इन बातों का पालन करने से आश्विन माह का महत्व और पुण्य प्राप्त होता है।

08 सितंबर 2025– पितृ पक्ष की प्रतिपदा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा

10 सितंबर 2025– विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी

11 सितंबर 2025 – महा भरणी और पंचमी तिथि का श्राद्ध

12 सितंबर 2025– मासिक कार्तिगाई

14 सितंबर 2025 – जीवित्पुत्रिका व्रत और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी

17 सितंबर 2025 – एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी, कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा

19 सितंबर 2025– मासिक शिवरात्रि और शुक्र प्रदोष व्रत

21 सितंबर 2025 – सर्वपितृ अमावस्या, दर्श अमावस्या और आश्विन अमावस्या

22 सितंबर 2025– शारदीय नवरात्रि शुरू, घटस्थापना और महाराजा अग्रसेन जयन्ती

25 सितंबर 2025 – विनायक चतुर्थी

27 सितंबर 2025 – संकंद षष्ठी

30 सितंबर 2025 – सरस्वती पूजा और मासिक दुर्गाष्टमी

1 अक्टूबर 2025 दुर्गा महा नवमी पूजा

2 अक्टूबर 2025 दुर्गा विसर्जन, दशहरा, शरद नवरात्रि पारणा

3 अक्टूबर 2025 पापाकुंशा एकादशी

4 अक्टूबर 2025 प्रदोष व्रत (शुक्ल)

7 अक्टूबर 2025 अश्विन पूर्णिमा व्रत

श्राद्ध में करें गीता का पाठ... पितरों को मिलेगी शांति...

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। साल 2025 में पितृ पक्ष 7 सितंबर से शुरू होंगे और इनका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी मृत व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशावाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्र मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से होती है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष रहता है। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी व्द्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वश्रेष्ठ गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें। पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं ही श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध के जरिए पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है और पिंड दान व तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान– श्राद्ध न किया जाए तो पितर गृहस्थ को दारुण शाप देकर पितृलोक लौट जाते है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। वहीं, द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। **दिन का महत्व**– जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले

है उसकी तिथि का ज्ञान होना जरूरी है। जिस तिथि को मृत्यु हुई हो उसी तिथि को श्राद्ध करना चाहिए। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है कि हमें तिथि पता नहीं होती तो ऐसे में आश्विन अमावस्या का दिन श्राद्ध कर्म के लिए श्रेष्ठ होता है क्योंकि इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। दूसरी बात यह भी महत्वपूर्ण है कि श्राद्ध करवाया कहां पर जा रहा है। यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए।भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के समय शुरू करनी चाहिए. योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते समय अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए. मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

इन पांच जीवों का ही चुनाव क्यों किया गया है

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए। कुत्ता जल तत्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।। केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

पितरों को खुश रहने के लिए श्राद्ध के दिनों में विशेष कार्य करना चाहिए वही इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

- * श्राद्ध करने के लिए ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे शास्त्रों में बताया गया है कि दिवंगत पितरों के परिवार में या तो ज्येष्ठ पुत्र या कनिष्ठ पुत्र और अगर पुत्र न हो तो नाती, भतीजा, भांजा या शिष्य ही तिलांजलि और पिंडदान देने के पात्र होते हैं।
- * पितरों के निमित्त सारी क्रियाएं गले में दायें कंधे मे जनेउ डाल कर और दक्षिण की ओर मुख करके की जाती है।
- * कई ऐसे पितर भी होते हैं जिनके पुत्र संतान नहीं होती है या फिर जो संतान हीन होते हैं। ऐसे पितरों के प्रति आदर पूर्वक अगर उनके भाई भतीजे, भांजे या अन्य चाचा ताउ के परिवार के पुरुष सदस्य पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर पिंडदान, अन्नदान और वस्त्रदान करके ब्राह्मणों से विधिपूर्वक श्राद्ध कराते है तो पितर की आत्मा को मोक्ष मिलता है।
- * श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन ही घर की रसोई में बनना चाहिए। जिसमें उड़द की दाल, बडे़, चावल, दूध, घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जैसे तोरई, लौकी, सीतफल, भिण्डी कच्चे केले की सब्जी ही भोजन में मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियां पितरों को नहीं चढ़ती है।
- * श्राद्ध का समय हमेशा जब सूर्य की छाया पैरो पर पड़ने लग जाए यानी दोपहर के बाद ही शास्त्र सम्मत है। सुबह-सुबह अथवा 12 बजे से पहले किया गया श्राद्ध पितरों तक नहीं पहुंचता है।

पितरों के लिए श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने वाले को कोई निमित्त बनाना पड़ता है। यह निमित्त है श्राद्ध। पितरों के लिए कृतज्ञता के इन भावों को स्थिर रखना हमारी संस्कृति की महानता को प्रकट करता है। देवस्मृति के अनुसार श्राद्ध करने की इच्छा करने वाला व्यक्ति परम सौभाग्य पाता है।

श्राद्ध कर्म में पितरों के लिए करें शुभ काम



पितृ पक्ष शुरू हो गया है और ये 21 सितंबर तक रहेगा। पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। पितृ पक्ष में पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजन किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों के प्रति आदर-भाव प्रकट किा जाता है। पितृ पक्ष या श्राद्ध करीब 16 दिनों के होते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि साल 2025 में पितृ पक्ष 7 सितंबर से शुरू होंगे और इनका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। पितृ पक्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होते हैं और आश्विन मास की अमावस्या को समापन होता है। शास्त्रों अनुसार श्राद्ध पक्ष भाद्रमास की पूर्णिमा से आरंभ होकर आश्विन मास की अमावस्या तक चलते हैं। मान्यता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में पितरों को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वर्गों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु ने गरुड़ देव को पितृ पक्ष का महत्व बताया था। महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह और युधिष्ठिर के संवाद बताए गए हैं। इन संवादों में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को बताया था कि श्राद्ध कर्म की शुरुआत कैसे हुई? भीष्म पितामह ने बताया था कि प्राचीन समय में सबसे पहले महर्षि निमि को अग्नि मुनि ने श्राद्ध का ज्ञान दिया था। इसके बाद निमि ऋषि ने श्राद्ध किया और उनके बाद अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध कर्म शुरू कर दिए। इसके बाद श्राद्ध कर्म करने की परंपरा प्रचलित हो गई।

श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण का अर्थ

पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत पूर्वजों को श्रद्धा से याद किया जाता है, इसे ही श्राद्ध कहा जाता है। पिंडदान करने का मतलब ये है कि हम पितरों के लिए भोजन दान कर रहे हैं। तर्पण करने का अर्थ यह है कि हम जल का दान कर रहे हैं। इस तरह पितृ पक्ष में इन तीनों कामों का महत्व है। पितृ पक्ष में किसी गौशाला में गायों के लिए हरी घास और उनकी देखभाल के लिए धन का दान करना चाहिए। किसी तालाब में मछलियों को आटे की गोलिएयां बनाकर खिलाएं। घर के आसपास कुत्तों को भी रोटी खिलानी चाहिए। इनके साथ ही कौओं के लिए भी घर की छत पर भोजन रखना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को भोजन खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। इन दिनों भागवत गीता का पाठ करना चाहिए।

भोजन के पांच अंश

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं

और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

इन वस्तुओ का करे दान

- * गाय का दान– धार्मिक दृष्टि से गाय का दान सभी दानों में श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन श्राद्ध पक्ष में किया गया गाय का दान हर सुख और धन-संपत्ति देने वाला माना गया है।

- * तिल का दान– श्राद्ध के हर कर्म में तिल का महत्व है। इसी तरह श्राद्ध में दान की दृष्टि से काले तिलों का दान संकट, विपदाओं से रक्षा करता है।

- * घी का दान– श्राद्ध में गाय का घी एक पात्र (वर्तन) में रखकर दान करना परिवार के लिए शुभ और मंगलकारी माना जाता है।

- * अनाज का दान– अन्नदान में गेहूं, चावल का दान करना चाहिए। इनके अभाव में कोई दूसरा अनाज भी दान किया जा सकता है। यह दान संकल्प सहित करने पर मनोवांछित फल देता है।

- * भूमि दान– अगर आप आर्थिक रूप से संपन्न हैं तो श्राद्ध पक्ष में किसी कमजोर या गरीब व्यक्ति को भूमि का दान आपको संपत्ति और संतान लाभ देता है। किंतु अगर यह संभव न हो तो भूमि के स्थान पर मिट्टी के कुछ ढेले दान करने के लिए थाली में रखकर किसी ब्राह्मण को दान कर सकते हैं।

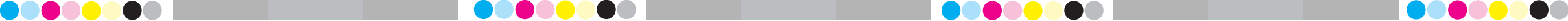
- * वस्त्रों का दान– इस दान में धोती और दुपट्टा सहित दो वस्त्रों के दान का महत्व है। यह वस्त्र नए और स्वच्छ होना चाहिए।

- * सोने का दान– सोने का दान कलह का नाश करता है। किंतु अगर सोने का दान संभव न हो तो सोने के दान के निमित्त यथाशक्ति धन दान भी कर सकते हैं।

- * चांदी का दान– पितरों के आशीर्वाद और संतुष्टि के लिए चांदी का दान बहुत प्रभावकारी माना गया है।

- * गुड़ का दान– गुड़ का दान पूर्वजों के आशीर्वाद से कलह और दरिद्रता का नाश कर धन और सुख देने वाला माना गया है।

- * नमक का दान– पितरों की प्रसन्नता के लिए नमक का दान बहुत महत्व रखता है।



डरावने चेहरे के कारण हॉरर फिल्म का राक्षस बना ये आयआयटी ग्रेजुएट अनिरुद्ध अग्रवाल



बेढंग शक्ल और लंबाई के चलते बॉलीवुड ने बेदखल किया

आर माधवन, सोनू सूद, तापसी पन्नू और कृति सेनन जैसे कई स्टार्स योग्यता से इंजीनियर हैं। लेकिन इनमें से किसी का भी करियर ग्राफ अनिरुद्ध अग्रवाल जितना ऊंचा नहीं रहा, जिन्होंने आयआयटी रुड़की से ग्रेजुएट होने के बाद हिंदी हॉरर फिल्मों में एक दुर्जेय राक्षस की भूमिका निभाने तक का सफर तय किया। 1949 में देहरादून में जन्मे अनिरुद्ध को हमेशा से अभिनय का शौक रहा। लेकिन अपने पिता की इच्छा के चलते उन्होंने इंजीनियरिंग की राह चुनी। मुंबई आने के बाद उन्होंने पहले एक इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन जल्द ही एक दुर्लभ बीमारी का शिकार हो गए। उनकी पिट्यूटरी ग्रंथि में एक ट्यूमर के कारण लंबाई असाधारण रूप से बढ़ गई और उनके चेहरे की बनावट अजीब हो गई।

एक दोस्त ने अनिरुद्ध अग्रवाल को रामसे ब्रदर्स से मिलने की सलाह दी, जिन्होंने अपनी 1984 की हॉरर फिल्म 'पुराना मंदिर' की 90% शूटिंग पूरी कर ली थी, लेकिन सामरी नामक एक राक्षसी किरदार वाले बाकी हिस्से की शूटिंग पूरी होने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि रामसे ब्रदर्स इससे पहले भी अपनी फिल्मों में राक्षसी मुखौटों का इस्तेमाल करते थे, लेकिन अनिरुद्ध के साथ उन्हें

ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

राक्षस का रोल मिला, नहीं किया मेकअप

अनिरुद्ध ने 2017 में बीबीसी को बताया था, 'मेरा चेहरा ऐसा है कि उन्हें मुझ पर मेकअप लगाने की भी जरूरत नहीं



पड़ी। मेरा चेहरा... मैं सबके लिए एक डरावना चेहरा बन गया था।' निर्देशक जोड़ी के एक सदस्य श्याम रामसे ने कहा, 'बिना मेकअप के भी अनिरुद्ध का चेहरा बिल्कुल अलग था। अगर आप आज उन्हें सड़क पर चलते हुए देखें, तो लोग मुड़कर उन्हें देखेंगे। वह हमारे लिए एकदम सही थे।'

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी

अनिरुद्ध अग्रवाल ने अभिनय करियर बनाने के लिए अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी। 'पुराना मंदिर' की सफलता ने रामसे ब्रदर्स को उनके साथ 'सामरी 3डी' नामक एक स्पिन-ऑफ बनाने के लिए प्रेरित किया, लेकिन वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। हालांकि, उन्होंने 1990 में 'बंद दरवाजा' और 1993 में 'द जी हॉरर शो' जैसी और हिट फिल्मों के साथ अपनी सफलता का सिलसिला फिर से शुरू किया।



बिग बॉस 19 के पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट होंगे शहबाज बदशा, बहन शहनाज ने दिए टिप्स

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बताया था कि इस सप्ताह बिग बॉस हाउस में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। इसका नाम तो शेयर नहीं किया गया था, लेकिन लोगों को शो के कुछ प्रोमो देख पता लग गया था कि वह अभिनेत्री शहनाज गिल के परिवार से हो सकता है। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं, शहनाज गिल के भाई शहबाज बदशा हैं। वो इस सप्ताह 'बिग बॉस 19' के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करेंगे। अपने भाई के बिग बॉस के घर में जाने पर अभिनेत्री शहनाज बहुत खुश हैं।

अभिनेत्री ने भाई को कुछ टिप्स भी दिए हैं। अभिनेत्री शहनाज ने अपने भाई की एंट्री पर खुशी जताते हुए कहा, मुझे उस पर गर्व हो रहा है, सात साल तक उसने इसका इंतजार किया है। मैं अपने भाई के लिए थोड़ी नर्वस भी हूँ, लेकिन मैं उसे बाहर से सपोर्ट करूंगी। वह हमें 24 घंटे हंसाता है। वह बाकी के कंटेस्टेंट को हंसता दिखाई देगा। उन्होंने आगे कहा, अगर तुम बुरे हो तो बुराई दिखाओ और अगर तुम अच्छे हो तो अच्छाई दिखाओ। बस अपनी सच्चाई दिखाना। जितना मैं जानती हूँ, वो गुस्से वाला बहुत है और हंसमुख भी है। वो मेरी तरह ही है। हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वो कैसे वहां पर झगड़ा करेगा या फिर उन्हें हंसाएगा। हम बचपन में खूब लड़ते थे, मगर उन्हें सुलझा भी लेते थे। वो मेरी तरह नहीं है, वो कंटेस्टेंट को जवाब देता दिखाई देगा। शनिवार को जियो हॉटस्टार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस बात की जानकारी दी गई थी। इसके प्रोमो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, आई है शहनाज लेकर एक नया ट्रिस्ट, 'वीकेंड का वार' पर होगी एक नए वाइल्ड कार्ड की एंट्री। शहबाज को पहले 'बिग बॉस' के ग्रैंड प्रीमियर में शो में शामिल होना था, लेकिन वो वोटिंग प्रक्रिया में साथी प्रतियोगी मृदुल तिवारी से हार गए थे। अब फाइनली वो 'बिग बॉस' हाउस में बतौर कंटेस्टेंट जाने वाले हैं। वैसे इससे पहले शहबाज 'बिग बॉस 13' के दौरान घर में जा चुके हैं। उस समय वो 'फैमिली वीक स्पेशल' एपिसोड में बहन शहनाज को सपोर्ट करते दिखे थे।

स्क्रीन पर धोनी का बोल्ट एक्शन अवतार सस्पेंस से भरा टीजर आया सामने



रविवार की सुबह इससे ज्यादा हैरान करने वाली नहीं हो सकती! 7 सितंबर को, आर माधवन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की, जिसे उन्होंने वासन बाला की फिल्म 'द चेज' का टीजर बताया और उसमें माधवन के साथ एमएस धोनी एक साथी टास्क फोर्स अधिकारी के रूप में नजर आ रहे थे। हालांकि, माधवन ने यह नहीं बताया कि यह फिल्म है, सीरीज है या कुछ और। अभी भी इसकी जानकारी गुप्त रखी गई है।

टीजर में, आर माधवन और धोनी टास्क फोर्स ऑफिसर के रूप में 'एक मिशन' पर निकले 'दो फाइटर' के रूप में नजर आ रहे थे। वे वर्दी में नजर आ रहे थे। क्लिप शेयर करते हुए, माधवन ने कैप्शन दिया, 'एक मिशन। दो लड़ाके। सीट बेल्ट लगा लो - एक जबरदस्त और धमाकेदार मिशन शुरू। द चेज टीजर अब रिलीज हो गया है। वासन बाला द्वारा निर्देशित। जल्द आ रहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही यह वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने कमेंट सेक्शन में ढेरों मैसेजेस भेजे। धोनी की बात करें तो उन्हें कई विज्ञापनों में देखा जा चुका है और इससे पहले उन्होंने तमिल फिल्म 'ऋजुद' में भी कैमियो किया था। फैंस धोनी को इस अंदाज में देखकर जैसे पागल हो गए हैं। हर कोई बस उन्हीं की बात कर रहा है। मैडी और माही की जोड़ी को देखने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। टीजर के कमेंट सेक्शन में केवल प्यार ही देखने को मिल रहा है।

इस बीच, आर माधवन अभिनय के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में, वह नेटफ्लिक्स पर फातिमा सना शेख के साथ 'आप जैसा कोई' में नजर आए थे। इस फिल्म में प्यार और समाज की बेड़ियों को बखूबी दिखाया गया है।

अहाना एस कुमरा पहली बार रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आएंगी

मैं देखना चाहती हूँ कि मैं कितनी डटी रह सकती हूँ

स्क्रिन पर अपनी एक्टिंग से पहचान बना चुकी अहाना एस कुमरा अब एक नया कदम उठाने जा रही हैं। वे अपने पहले रियलिटी शो राइज एंड फॉल से जुड़ रही हैं। लंबे समय से इस फॉर्मेट में आने का सही मौका तलाश रहीं अहाना अब इस नए सफर के लिए काफी उत्साहित हैं। इस शो के जरिए वे दर्शकों को अपना असली रूप दिखाना चाहती हैं और खुद को और अच्छे से जानना चाहती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इस शो के लिए 'हाँ' क्यों कहा, तो अहाना ने बताया, कई सालों से मेकर्स के साथ खतरों के खिलाड़ी करने की बात हो रही थी। इस साल जब उन्होंने मुझसे संपर्क किया, तो मैं पूरी तरह तैयार थी, क्योंकि मुझे पता था कि इस बार मुझे यह करना है। मुझे एडवेंचर स्पोर्ट्स बहुत पसंद हैं और खतरों के खिलाड़ी इसके लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि इसमें एडवेंचर करते हुए आपको भुगतान भी मिलता है। लेकिन, इस साल खतरों के खिलाड़ी कैंसिल हो गया और इसके बाद अहाना राइज एंड फॉल तक पहुँचीं।

अहाना ने कहा, मुझे एक बार फिर उस ख्याल को छोड़ना पड़ा। लेकिन जब उन्होंने राइज एंड फॉल के लिए कॉल किया, तो मुझे दिलचस्पी हुई। मुझे मेरे दोस्त (जो कास्टिंग डायरेक्टर भी हैं) का फोन आया और उन्होंने कहा कि टीम से मिल लो। जब मैं उनसे मिली तो बहुत अच्छा लगा, क्योंकि पहली बार यह शो भारत में हो रहा है और मेरे लिए भी यह पहला मौका है किसी रियलिटी शो का हिस्सा बनने का। शो का कैप्टिव फॉर्मेट अहाना को रोमांचित भी करता है और नर्वस भी। उन्होंने बताया, यह बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मैं हमेशा दोस्तों और परिवार से जुड़ी रहती हूँ, बात करती हूँ और घर पर रहती हूँ। अब सब से पूरी तरह कट जाना मुश्किल होगा। मुझे देखना है कि मैं कितने समय तक डटी रह सकती हूँ और यही वजह है कि मैंने यह शो करने का फैसला किया। राइज एंड फॉल में कुल 16 कंटेस्टेंट होंगे, जिनमें अर्जुन बिजलानी, किक्कू शारदा, कुन्ना सैत, धनश्री वर्मा, अरबाज पटेल, आरुष भोला और नयनदीप रक्षित शामिल हैं। शो का प्रसारण 6 सितंबर से शुरू होगा और इसकी मेजबानी शार्क टैंक फेम अशनीर प्रोवर करेंगे।

अभिनेत्री मौनी रॉय ने किए पशुपतिनाथ के दर्शन



अभिनेत्री मौनी रॉय हाल ही में नेपाल गई थीं। यहां पर उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए। अपनी इस यात्रा की कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए मौनी रॉय ने लिखा, पशुपतिनाथ! ना सम्मान का मोह, ना अपमान का भय। आपके दर्शन कर मैं खुद को धन्य महसूस कर रही हूँ। तस्वीरों में मौनी रॉय भगवान के दर्शन करने के बाद काठमांडू की गलियों में शॉपिंग भी करती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अब चार ज्योतिर्लिंगों की

यात्रा संपन्न कर ली है। इससे पहले मौनी रॉय ने दक्षिण भारतीय अंदाज में सज-धज कर ओणम सेलिब्रेट किया था। इसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। तस्वीरों में वह सुनहरे बॉर्डर वाली क्लासिक सफेद साड़ी और स्लीवलेस ब्लाउज में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। फोटो में उन्हें पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए भी देखा गया। फोटो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा था, 'ओणम की शुभकामनाएं।'

एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा था, शुरूआत में मुझे लोग डेट के लिए पूछते दिखाई देते थे।

मगर कुछ लोग मुझे बदनाम करने के लिए एआई के जरिए मेरे चेहरे को किसी गलत इंसान पर लगातार पोस्ट करते दिखे। यह मुझे बहुत धिनीना लगा। उनके बारे में, मैं बस यही सोचती हूँ कि ये लोग इतने बुरे कैसे हो सकते हैं। इनकी सोच कैसी है? वे इससे क्या हासिल करना चाहते हैं? उनका उद्देश्य क्या है? क्योंकि आप बस लोगों के शाप इकट्ठा कर रहे हैं। जो ऐसा कर रहा है, उसके लिए कोई भी भला नहीं चाह सकता।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, मौनी रॉय बहुत जल्द डेविड धवन की बहुप्रतीक्षित फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगी। इसमें उनके अलावा वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, चंकी पांडे, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, और अली असगर जैसे सितारे भी हैं। कुछ समय पहले मौनी रॉय को सालाकार सीरीज में एक भारतीय महिला जासूस के रोल में देखा गया था।



कर्नाटक के 6000 वोटरों को हटाने के लिए फर्जीवाड़ा ? ईसीआई डेटा छुपा रहा है : खड़गे

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

क्या मतदाता की जानकारी के बिना उसके ज़िंदा रहते वोटर लिस्ट से उसका नाम हट सकता है? कर्नाटक की अलंद विधानसभा में 2023 चुनाव से पहले करीब छह हज़ार मतदाताओं के नाम इसी तरह से हटाने की कोशिश की गई थी। इन मतदाताओं को पता भी नहीं था और किसी ने नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 भर दिया। शिकायत पर सीआईडी ने जांच शुरू की, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि ऐसा करने की किसने सज़िशा रची। केंद्र सरकार के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग डेटा को छुपा रहा है। उन्होंने पूछा है कि क्या 'वोट चोरी' के लिए चुनाव आयोग बीजेपी के लिए पिछले दरवाजे से काम कर रहा है।

रिपोर्ट है कि अलंद विधानसभा क्षेत्र में 5,994 वोटों को चुराने की साजिश की जांच अब ठहर गई है। चुनाव आयोग यानी ईसीआई द्वारा आईपी लॉस, सेशन डिटेल्स और एएस के यूज के स्टेप-बाय-स्टेप जैसे तकनीकी डेटा न साझा करने से कर्नाटक पुलिस के सीआईडी विभाग की जांच रुक गई है। यह मामला 2023 विधानसभा चुनाव से जुड़ा है, जहां फॉर्म 7 का दुरुपयोग कर वोटर्स के नाम हटाने की कोशिश की गई थी।

फरवरी 2023 में अलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट मैनिपुलेशन का मामला सामने आया था। तत्कालीन



कांग्रेस प्रत्याशी और वरिष्ठ नेता बी.आर. पाटिल को सूचना मिली कि कई वोटर्स को बिना जानकारी के उनके नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 (वोटर डिलीशन के लिए फॉर्म) जमा किए जा रहे हैं। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, एक बृथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ को अपने ही भाई का नाम हटाने का फॉर्म मिला, जबकि उस व्यक्ति ने कभी आवेदन नहीं किया था। नाम हटाने का फॉर्म उसी गाँव के एक मतदाता के क्रेडेंशियल का इस्तेमाल कर भरा गया। पड़ताल में पता चला कि न तो मतदाता ने और न ही उस गाँव के दूसरे मतदाता ने फॉर्म भरा था।

अलंद की रिटर्निंग ऑफिसर ममता देवी ने 21 फरवरी 2023 को अलंद पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे कर्नाटक पुलिस के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट यानी सीआईडी को सौंप दिया गया। अंग्रेज़ी अखबार की रिपोर्ट के

अनुसार 2018 में भाजपा प्रत्याशी से महज 697 वोटों से हारने वाले पाटिल ने 2023 चुनाव में 10,348 वोटों से जीत हासिल की। वह कहते हैं कि यदि समय रहते उन्होंने इस फर्जीवाड़े को रोका नहीं होता तो उनका चुनाव जीतना मुश्किल हो जाता।

सीआईडी की जाँच में एक साजिश का पर्दाफाश हुआ। मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फर्जी फॉर्म ईसीआई के नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल यानी एनवीएसपी, वोटर हेल्पलाइन ऐप यानी वीएचए और गरुड़ ऐप के जरिए जमा किए गए थे। लेकिन जाँच के आगे बढ़ने में रुकावट आ गई क्योंकि ईसीआई ने तकनीकी डेटा साझा नहीं किया।

सीआईडी ने जनवरी से अप्रैल 2025 तक कर्नाटक के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर यानी सीईओ को सात पत्र लिखे, और पहले भी पांच पत्र भेजे थे। इनमें आईपी लॉस यानी इंटरनेट

प्रोटोकॉल लॉस, डेट, टाइम, डेस्टिनेशन आईपी और पोर्ट्स की मांग की गई, ताकि फर्जी आवेदनों के पीछे के मशीनों और सेशन का पता लगाया जा सके।

सीआईडी सूत्रों के अनुसार, ईसीआई ने इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। द हिंदू ने 29 अगस्त को सीईओ को ईमेल किया, जिसमें पूछा गया कि क्या डेटा साझा किया गया और एएस के जरिए वोटर क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग कैसे संभव है। 4 सितंबर को रिमाइंडर ईमेल के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। दो साल से ज्यादा की जांच अब ठंडी पड़ गई है।

यह मामला कांग्रेस के 'वोट चोरी' केपेन से जुड़ गया है। अगस्त 2025 में राहुल गांधी ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 फर्जी वोटों का दावा किया, जिसमें डुप्लिकेट वोटर, फर्जी एड्रेस, बल्क रजिस्ट्रेशन, इनवैलिड फोटोज और फॉर्म 6 का दुरुपयोग शामिल था। उन्होंने ईसीआई पर बीजेपी से साठगांठ का आरोप लगाया और मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट्स की मांग की।

कर्नाटक सीईओ ने राहुल को नोटिस जारी कर हलफनामा मांगा, लेकिन उन्होंने कहा, 'मेरा शब्द ही शपथ है। ईसीआई डेटा को गलत क्यों नहीं बता रही?' कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा है कि मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर कांग्रेस सरकार ने सीआईडी जांच का आदेश दिया। उन्होंने कहा, 'लेकिन यहाँ पेच यह

है- जहाँ चुनाव आयोग ने पहले जा-लसाजी का पता लगाने के लिए ज़रूरी दस्तावेज़ों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने अहम जानकारी को छुपा लिया है और वोट चोरी के पीछे छिपे लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है।'

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ईसीआई को 'लंगड़ा बहाना' देने वाला बताया। कर्नाटक उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने महादेवपुरा और गांधी नगर में फ़ाँड की शिकायत दर्ज कराई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'ईसीआई को जवाबदेह बनाना होगा।'

ईसीआई ने आरोपों को 'झूठा और भ्रामक' बताया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'वोट थेफ्ट जैसे शब्द संविधान का अपमान हैं।' उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक जजमेंट का हवाला दिया कि मशीन-रीडेबल लिस्ट्स गोपनीयता का उल्लंघन करेंगी।

अलंद मामले में ईसीआई के डेटा के बिना आरोपी पकड़े नहीं जा सकते। पाटिल ने कहा, 'ईसीआई को लोकतंत्र बचाने के लिए मदद करनी चाहिए।' ईसीआई 10 सितंबर को सीईओ काफ़्रेंस बुला रहा है, जहां एसआईआर की तैयारी पर चर्चा होगी। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से पारदर्शिता बढ़ सकती है, लेकिन फिलहाल विवाद बरकरार है।

खड़गे ने कर्नाटक में बैलेट पेपर से स्थानीय निकाय चुनाव कराने के फैसले का किया स्वागत

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकार ने मतपत्रों (बैलेट पेपर) से स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतपत्रों से निकाय चुनाव कराने के फैसले को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, 'मतपत्रों का उपयोग मतदाताओं में विश्वास बढ़ाएगा और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को सुनिश्चित करेगा।' खड़गे ने कर्नाटक सरकार के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह जनता की आवाज को मजबूती प्रदान करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने और अपना दोस्त बनाने को लेकर खड़गे ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'मोदी और वे अच्छे दोस्त हो सकते हैं, लेकिन उनकी नीतियां देश के हितों के खिलाफ हैं। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नुकसान पहुंचाया, जिसका असर आम जनता पर पड़ा। उन्होंने कहा, 'मोदी और ट्रंप ने भले ही एक-दूसरे के लिए वोट भागे, दुनिया



में ऐसा कहीं देखने को नहीं मिलेगा, जहां पर कोई दूसरे देश में जाकर एक कैडिडेट को सपोर्ट करेगा, यह गलत है और देश के सिद्धांतों और विचारधारा के खिलाफ है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देशवासियों की सुरक्षा और हित सर्वोपरि हैं। हम सिद्धांतों और विचारधारा पर चलते हैं। देश पहले आता है, फिर दोस्ती। हमारे प्रधानमंत्री ने जो किया, वो गलत है, लेकिन अब जब मुसीबत आई तो मैं कहूँगा कि वे अपनी पुरानी गलतियों से सीख लें। भारत की न्यूट्रल रहने की जो पुरानी पॉलिसी थी, पीएम मोदी इस पॉलिसी को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें। बिहार चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, 'हमारे पास कई मुद्दे हैं। बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा है। प्रदेश का लॉ एंड ऑर्डर सही नहीं है, महिलाओं के रेप हो रहे हैं, दलितों को स्कॉलरशिप नहीं मिल रही है। किसानों को समय से फर्टिलाइजर नहीं मिल रहा है, इन मुद्दों पर हम चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, मुख्य मुद्दा वोट चोरी का है।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में मंच पर ही भिड़े दो दावेदार नेता, नारेबाजी से मचा हंगामा

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

नबीनगर में रविवार दोपहर आयोजित एनडीए के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में टिकट को लेकर दो दावेदार नेताओं के बीच जमकर हंगामा हुआ। नबीनगर के पूर्व विधायक व पूर्व सांसद वीरेंद्र कुमार सिंह और जदयू के वरिष्ठ नेता संजीव कुमार सिंह मंच पर ही आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप होने लगे, वहीं नीचे बैठे कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी।

मंच पर पहले से मौजूद पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह को तब आपसि हुई जब संजीव सिंह अपने समर्थकों के साथ मंच पर पहुंचे और उनके समर्थक लगातार संजय सिंह जिंदाबाद ज़ुब के नारे लगाते लगे। पूर्व विधायक का चेहरा गुस्से से तमतमा गया और कुछ



देर तक माहौल गरमा गया। मंच संचालन कर रहे नेताओं के समझाने पर संजीव समर्थक अपनी निर्धारित सीट पर जाकर बैठ गए, तब जाकर कार्यक्रम आगे बढ़ सका। लेकिन विवाद यहीं खत्म नहीं हुआ।

कार्यक्रम में भाषण देते हुए जब जदयू नेता सुरेंद्र सिंह ने पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह की तारीफ की, तो संजीव समर्थक फिर भड़क उठे और जोर-जोर से नारे लगाने लगे। नारेबाजी से नाराज पूर्व विधायक मंच पर ही संजीव सिंह के पास पहुंचे और उन्हें खरी-खोटी सुना डाली। हालांकि

भीड़भाड़ और शोरगुल के बीच यह साफ नहीं सुनाई दे सका कि उन्होंने क्या कहा, मगर इशारे-हावभाव से यह स्पष्ट था कि बात तीखी ही थी।

स्थिति बिगड़ती देख भाजपा के औरंगाबाद जिला प्रभारी त्रिविक्रम नारायण सिंह और लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह ने मोर्चा संभाला और दोनों नेताओं समेत समर्थकों को शांत कराया। इसके बाद ही सम्मेलन का माहौल सामान्य हो सका। कार्यक्रम दौरान गौर करने वाली बात यह रही कि संजीव सिंह के समर्थन में जोरदार नारे लगे, लेकिन पूर्व विधायक के पक्ष में कोई नारेबाजी नहीं हुई।

इसे कार्यकर्ताओं की नाराजगी और संजय के प्रति झुकाव का संकेत माना जा रहा है।

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय रेलवे (आईआर) के दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) जोन के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने शनिवार को झारखंड के टाटानगर जंक्शन और बेंगलुरु के पास यशवंतपुर जंक्शन के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 18111, टाटा-वाईपीआर सामाहिक एक्सप्रेस में ऑपरेशन 'नारकोस' के तहत जांच की।

इस अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों के माध्यम से मादक पदार्थों के अवैध परिवहन पर रोक लगाना था। इस विशेष अभियान के दौरान, आरपीएफ ने कर्नाटक के हासन जिले में स्थित अरसीकेरे रेलवे स्टेशन पर लगभग 4.50 किलोग्राम गांजा से भरा एक



लावारिस बैग जब्त किया, जिसकी कीमत 45,000 रुपये है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, "06.09.2025 को, एक विशेष आरपीएफ टीम ने ट्रेन नंबर 18111 टाटा-वाईपीआर सामाहिक एक्सप्रेस में ऑपरेशन नारकोस के तहत जांच करते समय, अरसीकेरे के पास जनरल कंपार्टमेंट में दो व्यक्तियों (हासन

के निवासी) को नीले रंग का स्कूल बैग ले जाते हुए रोका। पूछताछ करने पर, व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि वे ओडिशा के कोसिंगा रेलवे स्टेशन से गांजा ले जा रहे थे।" बैग सहित अपराधियों को अरसीकेरे रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के उपनिरीक्षक (एसआई/जीआरपी/अरसीकेरे)

को सौंप दिया गया। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, "आरपीएसआई/एसके द्वारा पंचों की उपस्थिति में बैग की जांच करने पर, लगभग 45,000 रुपये मूल्य का 4.5 किलोग्राम (4506 ग्राम) गांजा बरामद किया गया।" रेलवे पुलिस ने प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत मामला दर्ज किया। विज्ञप्ति में कहा गया है, "इसके बाद, आरपीएसआई/जीआरपी/अरसीकेरे ने प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 20(बी)(2)(बी) के तहत

सीआर संख्या 31/2025 दिनांक 06.09.2025 के तहत मामला दर्ज किया। जांच जारी है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) दक्षिण पश्चिम रेलवे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "नारकोस: आरपीएफ/अरसीकेरे और सीपीडीएस टीम/एमवाईएस ने एसके रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 18111 के जीएस कोच से गांजा युक्त एक लावारिस बैग जब्त किया , जिसका वजन लगभग 4.50 किलोग्राम था और उसका मूल्य 45,000 रुपये था। इसके अलावा, जब्त गांजा को आरपीएसआई/जीआरपी/एसके को सौंप दिया गया और सीआर संख्या 31/2025, यू/एस 20(बी)(2)(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की हुई शुरुआत, सीएम नीतीश कुमार ने ऑनलाइन पोर्टल का किया शुभारंभ

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजधानी पटना स्थित 1 अणे मार्ग से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत आवेदन प्रक्रिया और नगर क्षेत्रों के लिए ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने योजना से जुड़ी आवेदन प्रपत्र का विमोचन किया और 250 जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के जरिए राज्य के



चिन्हित इलाकों में 20 दिनों तक वीडियो के माध्यम से महिलाओं को योजना से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण पर आधारित एक लघु फिल्म भी मुख्यमंत्री को

दिखाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का उद्देश्य है कि प्रत्येक परिवार की एक महिला को रोजगार के लिए आर्थिक सहायता दी जाए। सितंबर महीने से महिलाओं को

पहली किस्त के रूप में 10,000 की राशि दी जाएगी, जिससे वे अपना रोजगार शुरू कर सकें। काम शुरू करने के बाद जरूरत के मुताबिक दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 2006 में पंचायती राज में और 2007 में नगर निकाय चुनावों में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया। अब तक 11 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूह बन

चुके हैं, जिनसे 1.40 करोड़ जीविका दीर्घां जुड़ी हुई हैं। शहरी इलाकों में भी अब तक 37 हजार समूह बनाए जा चुके हैं।

29 अगस्त 2025 को इस योजना को मंजूरी दी गई थी। सरकार का मानना है कि इससे महिलाओं को न सिर्फ रोजगार मिलेगा बल्कि परिवार की आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इससे बिहार के लोगों को काम के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपने परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगी।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत पर बवाल वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के राजापाकर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर हमले के एक आरोपी की हिरासत में मौत हो गई। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से उसकी जान गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस प्रशासन का कहना है कि आरपी की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

लोगों का कहना है कि राजापाकड़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार मध्य रात्रि को पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी मोहम्मद निसार खान की रविवार सुबह पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान लालू साह के पुत्र मोहम्मद नासिर साह के रूप में हुई है। घटना के बाद अस्पताल परिसर और घटना स्थल को

पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सदर अस्पताल में अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत कई थानों की पुलिस तैनात की गई है। घटना की शुरुआत राजापाकर थाना क्षेत्र के चौसिमा कल्याणपुर गांव में हुई थी, जहां आइसक्रीम विक्रेता और ग्राहक के बीच 40 रुपये को लेकर विवाद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर ग्राहक पक्ष ने हमला कर दिया, जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में मोहम्मद हाशिम साह, मोहम्मद निसार खान और फारूक साह समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नर्सों ने किया हड़ताल, मरीज बेहाल

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को शनिवार से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कारण यह है कि अस्पताल की

नर्सों ने कार्य बहिष्कार और अनिश्चितकालीन हड़ताल। छह सितंबर से शुरू हुए आंदोलन में पीएमसीएच की नर्सें तीन प्रमुख मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही हैं। सभी नर्स शनिवार से ही राजेंद्र सर्जिकल वार्ड में धरने पर बैठी हैं।



पीएमसीएच नर्स एसोसिएशन की महामंत्री वीथिका विश्वास ने बताया कि सरकार को बार-बार ज्ञापन और पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कदम

नहीं उठाया गया। नर्सों का कहना है कि 24 घंटे मरीजों की सेवा के बावजूद सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। नर्स अनीता कुमारी ने कहा कि हमने पहली बार शांतिपूर्ण तरीके से कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन शुरू किया है, लेकिन अब जब सरकार सुन नहीं रही

तो हमें अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठना पड़ा है। वहीं हड़ताल का सीधा असर अस्पताल की सेवाओं पर पड़ा है। मरीजों और उनके परिजनों को ट्रीटमेंट, वार्ड में देखभाल और दवाइयों की व्यवस्था में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। कई मरीज इलाज के लिए घंटों

इंतजार करते नजर आए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे नर्सों की नाराजगी और भी बढ़ गई है। यदि जल्द कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन और तेज होने की आशंका है।